राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. (UHIN/2009/34814) (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, बुधवार, 20 मई 2026
वर्ष 16, अंक 89, पृष्ट 04, मूल्य: 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

मलिहाबाद में राप्ती गंगा एक्सप्रेस से गिरकर यात्री की मौत, परिवार में मचा कोहराम...03

मुश्किल में फंसी मुंबई इंडियंस की परेशानियों में हुआ इजाफा, दो खिलाड़ी अचानक हुए बाहर...04

नीट पेपर लीक के नौ गुनहगार: सिस्टम के अंदर से हुआ खेला, स्पेशल क्लास से लेकर करोड़ों के सौदे

ब्यूरो प्रयागराज। देश के लाखों छात्रों के भविष्य से जुड़ी नीट यूजी 2026 परीक्षा में एक बार फिर वही हुआ जिसका डर था- पेपर लीक। इस हाई-प्रोफाइल मामले में अब तक नौ गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के हाथ जैसे-जैसे इस नेटवर्क के सिंडिकेट तक पहुंच रहे हैं, एक बेहद चौंकाने वाला सच सामने आ रहा है। सच यह कि परीक्षा प्रणाली की सुरक्षा में बाहर से किसी ने सेंध नहीं लगाई, बल्कि सिस्टम के रखवालों ने ही अंदर से दरवाजे खोल दिए थे। सीबीआई की तफ्तीश के केंद्र में दो मुख्य चेहरे हैं, मनीषा गुरुनाथ मंधारे और पीवी कुलकर्णी। मनीषा पुणे की एक सीनियर बॉटनी लेक्चरर हैं और उन्हें इस पूरी साजिश का मास्टरमाइंड माना जा रहा है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने उन्हें एक एक्सपर्ट के तौर पर नियुक्त किया था। इसी आधिकारिक हैसियत की वजह से प्रश्नपत्रों तक उनकी सीधी पहुंच थी। वहीं, पुणे से गिरफ्तार लातूर के रिटायर्ड केमिस्ट्री प्रोफेसर पीवी कुलकर्णी भी लंबे समय से एनटीए की परीक्षा प्रक्रिया से जुड़े हुए थे। इन दोनों ने मिलकर सिस्टम के इसी भरोसे का फायदा उठाया और पेपर को लीक कर दिया। सीबीआई के अनुसार, यह खेल अप्रैल के आखिरी हफ्ते में ही शुरू हो चुका था। कुलकर्णी ने अपनी सहयोगी मनीषा वाघमारे के साथ मिलकर ऐसे छात्रों को जोड़ना शुरू किया जो इसके लिए मोटी रकम दे सकें। अब आप सोच रहे होंगे यह

दूसरी मनीषा कौन है? मनीषा वाघमारे पुणे में एक ब्यूटी सैलून चलाती हैं। इसके बाद पुणे में कुलकर्णी के घर पर चुनिंदा छात्रों के लिए एक 'विशेष कोचिंग क्लास' शुरू हुई। यह कोई साधारण क्लास नहीं थी। यहां छात्रों को न तो कोई कॉन्सेप्ट समझाया जा रहा था और न ही कोई थ्योरी पढ़ाई जा रही थी। यहां सीधे नीट परीक्षा के सवाल, उनके विकल्प और सही जवाब बताए जा रहे थे। छात्र चुपचाप इन्हें अपनी कॉपियों में नोट कर रहे थे। जब सीबीआई ने इन छात्रों की नोटबुक्स जब्त कीं, तो जांच अधिकारी भी हैरान रह गए। तीन मई को आयोजित नीट यूजी 2026 परीक्षा के असली प्रश्नपत्र से ये सवाल हूबहू मैच कर रहे थे। इस पूरे सिंडिकेट का भंडाफोड़ महाराष्ट्र के लातूर में हुआ। वहां एक कोचिंग संस्थान के मॉक टेस्ट में अचानक 42 ऐसे सवाल पूछ लिए गए, जो ठीक दो दिन बाद होने वाली नीट परीक्षा के असली पेपर में आने वाले थे। जब परीक्षा के दिन असली पेपर सामने आया, तो कुछ जागरूक अभिभावकों के कान खड़े हो गए। उन्होंने तुरंत इसकी शिकायत स्थानीय पुलिस से की। मामले की गंभीरता और इसके अंतर-राज्यीय कनेक्शन को देखते हुए केस तुरंत सीबीआई को सौंप दिया गया। सीबीआई की जांच में सामने आया है कि यह एक बेहद संगठित सिंडिकेट था। यह नेटवर्क सेमिनार आयोजित करता था और ऐसे छात्रों को ढूंढता था जो पढ़ाई में कमजोर हों लेकिन उनके परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हो। इस काम के लिए उन्होंने पुराने छात्रों, खासकर इंजीनियरिंग बैकग्राउंड वाले युवाओं को अपना एजेंट बना रखा था। पिछले 24 घंटों में सीबीआई ने देशव्यापी छापेमारी कर कई अहम दस्तावेज, मोबाइल फोन और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स जब्त किए हैं। अब तक जयपुर, गुरुग्राम, नासिक, पुणे और अहिल्यानगर से कुल नौ लोगों को दबोचा जा चुका है। मनीषा गुरुनाथ मंधारे: पुणे की सीनियर बॉटनी लेक्चरर और एनटीए एक्सपर्ट, जिन्हें साजिश का मास्टरमाइंड माना जा रहा है।प्रो. पीवी कुलकर्णी: लातूर के रिटायर्ड केमिस्ट्री प्रोफेसर और मुख्य सूत्रधार, जिनकी प्रश्न पत्र पैनल तक पहुंच थी।मनीषा वाघमारे: पुणे की ब्यूटी सैलून मालकिन, जो उम्मीदवारों को जुटाने और सीक्रेट क्लास मैनेज करने में सहयोगी थीं।मांगीलाल बीवाल: जयपुर का निवासी, जिस पर लीक पेपर हासिल करने और उसे आगे बांटने का आरोप है।विकास बीवाल: मांगीलाल का बेटा और मेडिकल छात्र, जिसने इस अवैध काम को अंजाम देने में मदद की।दिनेश बीवाल: मांगीलाल का भाई, जो इस पूरे खेल के वित्तीय लेन-देन को संभाल रहा था।यश यादव: गुरुग्राम का रहने वाला मुख्य बिचौलिया, जिसने लीक प्रश्न पत्र बीवाल परिवार तक पहुंचाया।शुभम खैरनार: नासिक का निवासी, जिस पर सबसे पहले लीक या गेस प्रश्न पत्र को बाजार में फैलाने का शक है।धनंजय लोखंडे: अहिल्यानगर का आयुर्वेद डॉक्टर, जिसे इस मामले में संलिप्तता के बाद हिरासत में लिया गया। सीबीआई अब प्रो कुलकर्णी के पुराने रिकॉर्ड को भी खंगाल रही है। जांच एजेंसी को अंदेशा है कि इस सिंडिकेट का हाथ नीट 2024 के पेपर लीक और अन्य बड़ी राष्ट्रीय परीक्षाओं में हुई गड़बड़ियों से भी जुड़ा हो सकता है।

PM की UAE यात्रा तेल संकट से दिलाएगी राहत.... BJP ने स्वीडन के सर्वोच्च सम्मान को बताया ऐतिहासिक

●राज्यसभा सदस्य और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि भारत के जन-जन के हित की रक्षा के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक महत्वपूर्ण विदेश यात्रा पर हैं. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी का विदेश दौरा रणनीतिक नीति आर्थिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अभूतपूर्व हुआ है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन दिनों पांच देशों की यात्रा पर हैं. इस दौरान स्वीडन सरकार ने पीएम मोदी को अपना सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया है. इसे लेकर राज्यसभा सदस्य और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि अभी दुनिया अभूतपूर्व संकट से गुजर रही है. अत्यंत सूझ-बूझ के साथ भारत के जन-जन के हित की रक्षा के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक महत्वपूर्ण विदेश यात्रा पर हैं. स्वीडन की सरकार ने पीएम मोदी को स्वीडन के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी को अपने कार्यकाल में अब तक 31 वैश्विक सम्मान मिल चुके हैं। पीएम के नेतृत्व में भारत ने जो दुनिया में स्थान बनाया ये उसका सम्मान है. ये हर भारतीय के लिए एक गर्व का पल है. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी का विदेश दौरा रणनीतिक नीति आर्थिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अभूतपूर्व हुआ है। ऊर्जा संकट को लेकर बीजेपी प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि इस मुद्दे पर पीएम ने यूएई यात्रा के दौरान वहां के प्रमुख से एक करार किया. जिससे भारत का रणनीतिक तेल भंडार 70% और बढ़ जाएगा. जिससे भारत को ऊर्जा संकट से निपटने में आसानी होगी. उन्होंने कहा कि भारत में यूएई से FDI भी आएगा। चूंकि यूएई ने OPEC से अपने को अलग कर लिया है इसलिए अपने पेट्रोलियम एक्सपोर्ट पर वो स्वतंत्र निर्णय ले सकता है। साथ ही होर्मुज गलियारे की इसके लिए जरूरत नही पड़ेगी।

1000 साल पुरानी विरासत वापिस आना ऐतिहासिक

सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि नीदरलैंड और स्वीडन के साथ टाटा इलेक्ट्रिक का समझौता हो गया है. इससे को भारत को चिप बनाने में काफी फायदा होगा. इस दौरान उन्होंने कहा कि 11 वीं सदी की चोल साम्राज्य की ताम्र प्लेट को भारत लाने का निर्णय वहां की सरकार ने किया. इसका प्रयास पीएम ने किया. चोल सम्राज्य की ताबें की प्लेटे जो 1000 साल पुरानी विरासत है उसका वापिस भारत आना, ऐतिहासिक कदम है।

राहुल गांधी की विदेश यात्राओं पर उठाए सवाल

इस दौरान बीजेपी प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर भी हमला बोला. उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने विदेश यात्राओं पर अपना खर्च अभी तक सामने नही रखा है. ये खर्चा उन्होने किया, उनकी पार्टी ने किया या फिर किसी विदेशी संस्था ने किया. इस पर अभी तक कांग्रेस की तरफ से कोई जवाब नहीं आया है. कई बार पूछने पर भी जब जवाब नहीं आता है तो शक गहराता जाता है. आखिर राहुल गांधी की विदेश यात्राकों पर खर्चा कौन उठा रहा है।

संक्षिप्त ख़बरें

सैलून मैनेजर आत्महत्या प्रकरण: लखनऊ में बिल्डर के ऑफिस पर बुलडोजर

लखनऊ। शहीद पथ स्थित शालीमार वन वर्ल्ड में सैलून मैनेजर रतना सिंह आत्महत्या प्रकरण में पुलिस ने आरोपितों पर शिकंजा कस दिया है। पुलिस ने लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) की मदद से शनिवार को आरोपित बिल्डर के आफिस का अवैध हिस्सा बुलडोजर से ध्वस्त करा दिया। निर्माणाधीन अपार्टमेंट व आफिस को सील करने के लिए एलडीए को पत्र लिखा है। बिल्डर समेत चारों आरोपितों पर 25-25 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया है। आरोपितों की तलाश में पुलिस बाराबंकी, गोरखपुर, देवरिया समेत पांच जिलों में दबिश दे रही है। उधर, इंस्पेक्टर गोमती नगर विस्तार सुधीर अवस्थी ने बताया कि आरोपितों के खिलाफ गैर जमानती वारंट लेने की भी तैयारी है। पुलिस उपायुक्त(डीसीपी) पूर्वी डा. दीक्षा शर्मा ने बताया कि गोरखपुर के कैंट क्षेत्र निवासी 32 वर्षीय रतना सिंह मानसून सैलून में मैनेजर थीं। उन्होंने सोमवार रात (11 मई) शालीमार वन वर्ल्ड स्थित अपने फ्लैट में आत्महत्या कर ली थी। आत्महत्या से पहले रतना ने वीडियो बनाकर बिल्डर एवं होटल संचालक शरद सिंह, उनकी पत्नी पल्लवी, मंगलनाथ यादव, वैशाली समेत अन्य लोगों को अपनी मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया था। पिता ने बेटी को आत्महत्या के लिए उकसाने का मुकदमा दर्ज कराया था। शुक्रवार को गोमती नगर विस्तार पुलिस ने शरद सिंह से जुड़े विरासत होटल, सैलून और अन्य व्यापारिक प्रतिष्ठानों को सील किया था। पुलिस ने साक्ष्यों के आधार पर शनिवार को स्विफ्ट कार (यूपी 32 ईयू 0777), स्कार्पियो एन (यूपी32 एनपी 0777) और वोल्वो (यूपी32 केएल 0777) को केस प्रापर्टी बनाकर दाखिल कर दिया है। डीसीपी ने बताया कि फरार आरोपितों पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है। आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए तीन टीमें गठित कर दबिश दी जा रही है। आरोपित बिल्डर से जुड़े निर्माणाधीन अपार्टमेंट, बिल्डिंग और उसके आफिस की जांच के लिए एलडीए को पत्र लिखा गया है। एलडीए की टीम निर्माण कार्यों से जुड़े दस्तावेजों की जांच कर रही है। जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। गोमती नगर विस्तार पुलिस ने फरार आरोपितों के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कराया है।

छोटे भाई ने बड़े भाई के पूरे परिवार को काटा, आंगनबाड़ी ड्रेस से मिला सूटकेस में बंद चार लाशों का सुराग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटना- बिहार के कैमूर में एक दिल दहला देने वाला हत्याकांड सामने आया है। यहां छोटे भाई विकास गुप्ता ने साथियों संग मिलकर अपने बड़े भाई, भाभी और दो मासूम बच्चों की बेरहमी से हत्या कर दी। शवों के टुकड़े कर सूटकेस और बोरियों में अलग-अलग नदी-नहरों में फेंक दिया। बिहार के कैमूर में रिश्तों को शर्मसार करने वाली वारदात को एक भाई ने अंजाम दिया था। रामगढ़ के डहरक गांव में छोटे भाई ने अपने ही बड़े भाई कृष्ण मुरारी गुप्ता, उनकी पत्नी और दो बच्चों की धारदार हथियार से काटकर निर्मम हत्या कर दी। हत्या की ये वारदात इतनी वीभत्स थी कि आरोपियों ने साक्ष्य छुपाने के लिए सभी चारों शवों के सिर धड़ से अलग किए। फिर धड़ को सूटकेस और बोरियों में भरकर नदी में फेंक दिया। इसका खुलासा तब हुआ जब पुलिस को नदी और नहर से सिर कटी लाशें बरामद हुईं। मुख्य आरोपी भाई को मध्य प्रदेश से दबोचा गया। छोटे भाई को पुलिस ने मध्य प्रदेश से पकड़ा सूटकेस और बोरियों से खुला खौफनाक राज इस सनसनीखेज वारदात की शुरुआत 10 मई को हुई, जब चौसा-मोहनियां एनएच-319ए पर स्थित पनसेरवा दुर्गावती नदी से दो सूटकेस मिले, जिनमें सिर कटे शव भरे थे। इसके ठीक दो दिन बाद अभैदे विश्वकर्मा पंप नहर की पुलिया के पास दो बोरियों में शवों के अन्य हिस्से बरामद हुए। एक साथ चार सिर कटी लाशें मिलने से कैमूर पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया और मामले की गुत्थी सुलझाने के लिए तुरंत एसआईटी (SIT), डॉग स्क्वायड और एफएसएल (स्नस्र्) की टीमों को तफ्तीश में लगाया गया।

मासूम की आंगनबाड़ी ड्रेस से मिला सुराग

तफ्तीश के दौरान शवों के पास से एक बच्ची की आंगनबाड़ी ड्रेस मिली, जो जांच में सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट साबित हुई। छानबीन में पता चला कि डहरक गांव के कृष्ण मुरारी गुप्ता की बेटी कृति 6 मई से आंगनबाड़ी नहीं आ रही थी। एसपी हरिमोहन शुक्ला और एसडीपीओ प्रदीप कुमार की मौजूदगी में जब कृष्ण मुरारी के बंद घर का ताला तोड़ा गया।

जब पुलिस घर के अंदर घुसी तो खून के धब्बे और बदबू फैली हुई थी।

कृष्ण मुरारी गुप्ता का भाइयों से था विवाद

ग्रामीणों के मुताबिक, मृतक कृष्ण मुरारी गुप्ता चार भाइयों में सबसे बड़े था और उसका स्वभाव काफी विवादित था। उसका अपने भाइयों से अक्सर झगड़ा होता रहता था और वो कथित तौर पर अपने भाइयों की शादी भी नहीं होने दे रहा था। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, कृष्ण मुरारी का खुद का आपराधिक इतिहास था। वो साल 2020 में अपने ही साले सूरज गुप्ता की हत्या के आरोप में जेल भी जा चुका था। यही पारिवारिक रंजिश और पुराना विवाद इस नरसंहार की मुख्य वजह बना।

मध्य प्रदेश से आरोपी भाई गिरफ्तार

मोहनिया एसडीपीओ प्रदीप कुमार ने बताया कि मोबाइल सर्विलांस की मदद से मुख्य आरोपी भाई विकास कुमार गुप्ता को मध्य प्रदेश से गिरफ्तार किया गया। पुलिस की पूछताछ के बाद अकोढ़ी के पास

दुर्गावती नदी किनारे से एक महिला और एक पुरुष का कटा हुआ सिर बरामद कर लिया गया है। पुलिस सूत्रों का मानना है कि इस जघन्य हत्याकांड को विकास ने तीन-चार साथियों के साथ मिलकर अंजाम दिया है, जिसकी तह तक जाने के लिए पुलिस की छापेमारी जारी है। बाकी दो बच्चों के सिर की मोबाइल सर्विलांस की मदद से मुख्य आरोपी भाई विकास कुमार गुप्ता को मध्य प्रदेश से गिरफ्तार किया गया। पुलिस की पूछताछ के बाद अकोढ़ी के पास दुर्गावती नदी किनारे से एक महिला और एक पुरुष का कटा हुआ सिर बरामद कर लिया गया है।

आपदाओं का विभाग बन गया है शिक्षा मंत्रालय'- राहुल गांधी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को लेकर बड़ा हमला किया है. NEET-UG 2026 पेपर लीक और CBSE के ऑन-स्क्रीन मार्किंग (OSM) सिस्टम से छात्रों को होने वाली परेशानी को लेकर राहुल गांधी ने हमला बोला है. उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि शिक्षा मंत्रालय अब आपदा विभाग बन गया है। राहुल ने X पर एक पोस्ट करते हुए लिखा, 'पहले NEET पेपर लीक, जिससे 22 लाख छात्र प्रभावित हुए. फिर CBSE के 12वीं के छात्रों को एक खराब ह्रस्रू सिस्टम के कारण उम्मीद से कम नंबर मिले, जिससे कई छात्रों को कॉलेज में दाखिला नहीं मिलेगा. अब CBSE 9वीं के लाखों छात्रों से अचनाक 1 जुलाई से एक नई भाषा सीखने को कह रहा है, जबकि न तो कोई शिक्षक हैं और न ही किताबें।' उन्होंने आरोप लगाया कि 14 साल के बच्चों को 'अस्थायी' समाधान के तौर पर 6वीं क्लास की किताबें थमा दी गई. राहुल ने कहा, 'तीन

एग्जाम. तीन आयु वर्ग. एक मंत्री. धर्मेंद्र प्रधान जी सिर्फ एक बार फेल नहीं हुए हैं. वे भारत के छात्रों के हर आयु वर्ग को एक साथ फेल कर चुके हैं. हर घोषणा छात्रों को अनिश्चितता के गहरे भंवर में धकेल देती है।

'राहुल ने कहा कि हर बार कोई सजा नहीं मिलती. उन्होंने कहा कि 'शिक्षा मंत्रालय अब आपदाओं का विभाग बन गया है।' इससे पहले शनिवार को भी राहुल गांधी ने ङ्ग पर एक पोस्ट कर धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की थी. उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग करते हुए कहा था कि धर्मेंद्र प्रधान जी को इस्तीफा देने को कहें और जो दोषी हैं, उन्हें पकड़कर जेल में डाला जाए।

झील में डूबने से किशोर की मौत, अवैध खनन पर सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। किसान पथ स्थित साहू कालोनी के किनारे बनी झील में शनिवार दोपहर एक किशोर अपने भाई और दो दोस्तों के साथ नहाने गया, जहां वह डूब गया। स्थानीय लोगों ने किशोर को खोजने का प्रयास किया, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। पीजीआइ थाने की पुलिस, राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) और स्थानीय गोताखोरों ने काफी देर तक खोजबीन की, जिसके बाद किशोर को झील से बाहर निकाला गया, लेकिन उसे मृत घोषित कर दिया गया। ग्रामीणों का आरोप है कि मिट्टी खनन के कारण झील की गहराई बढ़ गई है। रायबरेली रोड स्थित सभा खेड़ा निवासी राकेश, जो पीजीआइ में संविदा पर सफाईकर्मी हैं, का 13 वर्षीय बेटा जितेंद्र अपने छोटे भाई मनीष और दोस्तों पुनीत तथा हिमांशु के साथ झील में नहाने गया था। नहाते समय वह गहरे पानी में चला गया। उसे डूबता देख उसके दोस्तों ने शोर मचाया और आसपास के लोग भी पहुंचे, लेकिन तब तक जितेंद्र डूब चुका था। लोगों ने पुलिस को सूचना दी और बचाने का प्रयास किया, लेकिन पानी की गहराई के कारण कोई सफलता नहीं मिली। पीजीआइ पुलिस, एसडीआरएफ और स्थानीय गोताखोरों ने किशोर की खोजबीन शुरू की। एक घंटे की तलाश के बाद किशोर को अचेत अवस्था में झील से बाहर निकाला गया। पुलिस ने उसे एसजीपीजीआइ की इमरजेंसी में पहुंचाया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना के बाद से परिवारजन गहरे सदमे में हैं। पीजीआइ थाने के इंस्पेक्टर धीरेन्द्र सिंह ने बताया कि परिवार ने अभी तक कोई तहरीर नहीं दी है। स्थानीय लोगों ने बताया कि कुछ वर्षों पहले तक यह झील करीब 36 बीघे में फैली थी। किसान पथ के निर्माण के दौरान बड़े पैमाने पर यहां से मिट्टी का खनन हुआ। अवैध खननकर्ताओं ने भी इसका फायदा उठाया और काफी मिट्टी बेच डाली। नतीजतन झील काफी गहरी हो गई।

अखिलेश यादव ने राजकुमार भाटी की लगाई क्लास

●सपा नेताओं को दी सख्त हिदायत, भाषा पर संयम रखें

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज- समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी की ब्राह्मणों पर की गई टिप्पणी पर विरोध थमने का नाम नहीं ले रहा है. प्रदेशभर में ब्राह्मण समाज के नेता राजकुमार भाटी पर निशाना साध रहे हैं. उनके निशाने पर सपा मुखिया अखिलेश यादव भी हैं. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर राजकुमार भाटी को पार्टी से बर्खास्त करने की मांग राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से की जा रही है। समाजवादी पार्टी के ब्राह्मण नेता भी राजकुमार भाटी के बयान को लेकर खफा हैं. उन्होंने अखिलेश यादव से शिकायत भी की है. रविवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी को तलब किया. प्रदेश मुख्यालय राजकुमार भाटी की क्लास लगाई. अखिलेश यादव ने सभी कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया है कि वे सामाजिक सद्भाव का आचरण करें. अपनी भाषा और व्यवहार में

संतुलन और संयम बरतें. ऐसी कोई बात न करें जिससे अपने को अपमानित या आहत महसूस करे. उन्होंने कहा कि संविधान और लोकतंत्र को बचाकर ही सामाजिक न्याय के राज की स्थापना की जा सकती है. इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सभी को एकजुट रहना होगा। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सामाजिक नीति में सबका सम्मान निहित है. पीडीए समाज सभी वर्गों-पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक के अलावा पीड़ित अगड़े-पिछड़े, आधी आबादी महिला को अपने से जोड़ती है. पीडीए सामाजिक न्याय की लड़ाई का भी प्रभावी माध्यम है. पीडीए की एकता से ही 2027 में भाजपा को सत्ता से हटाया जा सकेगा और समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने का लक्ष्य पूरा किया जा सकेगा। अखिलेश यादव ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में दिनदहाड़े लुटते 'सुनारों की सुरक्षा' की समस्या अभी सुलझी नहीं थी कि तब तक 'सोनाबंदी' का व्यापार-चौपट करने वाला आह्वान आ गया और फिर 'सोने पर इम्पोर्ट ड्यूटी ढाई गुना बढ़ाने का फ़रमान'. ज़ेवरात-गहनों के व्यापार में बड़ी कंपनियों के आ जाने से ये छोटे सुनार वैसे ही कम्पटीशन नहीं कर पा रहे थे, अब उन्हें लग रहा है कि शायद बड़ी कंपनियों से एकमुश्त कमीशन लेने के चक्कर में ही भाजपाइयों ने युद्ध के बहाने, सोनाबंदी की बात की है।

28 मई को देशभर में मनाई जाएगी बकरीद, जामा मस्जिद के शाही इमाम ने कर दिया ऐलान

ब्यूरो प्रयागराज। बकरीद की तारीख को लेकर लोगों के बीच चल रहा इंतजार और कन्फ्यूजन अब खत्म हो गया है. जामा मस्जिद के शाही इमाम सैयद सुभान बुखारी ने ऐलान किया है कि इस साल ईद-उल-अजहा 28 मई को मनाई जाएगी. चांद दिखने के बाद की गई इस घोषणा के साथ ही देशभर में ईद की तैयारियां तेज होंगी. बकरीद इस्लाम धर्म का एक अहम त्योहार माना जाता है, जिसे कुर्बानी, त्याग और इंसानियत के संदेश के साथ मनाया जाता है. इस दिन मुस्लिम समुदाय नमाज अदा करता है, कुर्बानी देता है और जरूरतमंदों के बीच खाना व खुशियां बताता सऊदी अरब की सुप्रीम कोर्ट ने लोगों से अपील की थी कि वे चांद को खुली आंखों, दूरबीन या टेलीस्कोप की मदद से देखने की कोशिश करें. साथ ही चांद दिखाई देने पर नजदीकी अदालत में इसकी जानकारी देने को भी कहा गया था। जिलहिज्जा इस्लामिक कैलेंडर का आखिरी महीना होता है और इसे बेहद पाक माना जाता है. इसी महीने में मनाई जाने वाली ईद-उल-अजहा को कुर्बानी का त्योहार भी कहा जाता है. यह त्योहार हजरत इब्राहिम की आस्था, त्याग और अल्लाह के प्रति समर्पण की याद में मनाया जाता है. इस दिन मुस्लिम समुदाय नमाज अदा करता है, कुर्बानी देता है और जरूरतमंदों के बीच खाना और खुशियां बांटता है।

नियंत्रित अनिश्चितता के दौर में अमेरिका और चीन

वैश्विक राजनीति के वर्तमान दौर में अमेरिका और चीन के बीच बीजिंग में आयोजित हुई उच्च स्तरीय बैठक को एक अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील घटनाक्रम के रूप में देखा जा रहा है। वर्तमान समय में संपूर्ण विश्व एक जटिल और अभूतपूर्व दौर से गुजर रहा है, जहां क्षेत्रीय संघर्ष, ऊर्जा क्षेत्र की अस्थिरता, आपूर्ति श्रृंखला की अनिश्चितताएं और तकनीकी क्षेत्र में वर्चस्व की होड़ ने अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था पर भारी दबाव पैदा कर दिया है। ऐसी परिस्थितियों में दुनिया की 2 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के शीर्ष नेताओं का एक मंच पर आना और संवाद की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना अपने आप में एक बड़ा संदेश देता है। हालांकि, यदि इस बैठक के वास्तविक और व्यावहारिक परिणामों का मूल्यांकन किया जाए, तो वे जनसाधारण और विश्लेषकों की अपेक्षाओं से काफी सीमित रहे हैं। दोनों पक्षों ने वैश्विक समुदाय को यह दिखाने का पूरा प्रयास किया कि वे सीधे सैन्य या राजनीतिक टकराव के बजाय संबंधों में स्थिरता और एक नियंत्रित प्रतिस्पर्धा के ढांचे के भीतर काम करना चाहते हैं। इस वार्ता के दौरान बातचीत का लहजा भले ही कूटनीतिक शिष्टाचार से परिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण रहा हो, लेकिन जब बात बुनियादी रणनीतिक मतभेदों और दीर्घकालिक विवादों पर ठोस सहमति बनाने की आई, तो वहां कोई बड़ा बदलाव या ऐतिहासिक मोड़ देखने को नहीं मिला। यही कारण है कि इस पूरी कूटनीतिक कवायद को एक बड़े बदलाव की शुरुआत मानने के बजाय वैश्विक संतुलन को बनाए रखने का एक अस्थायी प्रयास माना जा रहा है। इस पूरी वार्ता के केंद्र में दोनों महाशक्तियों के बीच के आर्थिक और व्यापारिक संबंध रहे, जो पिछले कुछ वर्षों से गंभीर तनाव के दौर से गुजर रहे हैं। दोनों देशों के नेतृत्व ने इस यथार्थ को पूरी गंभीरता से स्वीकार किया कि वर्तमान वैश्विक आर्थिक ढांचे की स्थिरता इन दोनों के आपसी संबंधों पर टिकी है। अमेरिका और चीन जैसी 2 विशाल आर्थिक शक्तियों के बीच व्यापारिक संबंधों का पूरी तरह से टूट जाना न तो इन दोनों देशों के हित में होगा और न ही शेष विश्व इसके आर्थिक झटके को झेलने में सक्षम है। इसी समझ के आधार पर बैठक के दौरान कुछ सीमित व्यापारिक संकेतों और समझौतों पर चर्चा आगे बढ़ी, जिनमें मुख्य रूप से कृषि उत्पादों की बड़े पैमाने पर खरीद, ऊर्जा व्यापार में सहयोग की संभावनाएं और विमानन उद्योग से जुड़े कुछ संभावित सौदे शामिल रहे। कुछ कूटनीतिक विवरणों से यह भी संकेत मिले कि चीन आने वाले समय में अमेरिकी कृषि उत्पादों और नागरिक उड्डयन क्षेत्र को 1 बड़ा क्रय प्रस्ताव देने पर विचार कर सकता है। लेकिन इन तमाम सकारात्मक चर्चाओं के बावजूद यह ध्यान रखना आवश्यक है कि ये सभी कदम अभी बेहद शुरुआती और प्रारंभिक स्तर पर हैं। इन्हें किसी औपचारिक, व्यापक या दीर्घकालिक व्यापार समझौते का रूप नहीं दिया जा सका है, जो दोनों देशों के व्यापारिक असंतुलन को स्थाई रूप से दूर कर सके। व्यापारिक स्तर पर सहयोग की इस धीमी सुगबुगाहट के समानांतर सबसे जटिल और विवादित विषय सीमा शुल्क और तकनीकी प्रतिबंधों का बना रहा। दोनों देशों के बीच लंबे समय से चल रहे व्यापार युद्ध और एक-दूसरे के उत्पादों पर लगाए गए भारी करों को कम करने की दिशा में इस बैठक से कोई ठोस और स्पष्ट कार्ययोजना सामने नहीं आ सकी। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि इस उच्च स्तरीय बैठक का प्राथमिक उद्देश्य किसी नए युग का आदर्श वैश्विक व्यापार ढांचा की स्थापना करना था ही नहीं, बल्कि इसका तात्कालिक लक्ष्य मौजूदा आर्थिक तनाव को एक सीमा से अधिक बढ़ने से रोकना था। इस दृष्टिकोण से विचार करने पर यह स्पष्ट होता है कि यह वार्ता कूटनीतिक मोर्चे पर एक प्रकार के अस्थायी विराम की तरह काम कर रही है, जिसमें दोनों पक्ष अपने-अपने राष्ट्रीय और आर्थिक हितों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सीधे आर्थिक महायुद्ध से बचने का मार्ग तलाश रहे हैं। इस पूरी बीजिंग वार्ता का सबसे संवेदनशील, जटिल और रणनीतिक रूप से खतरनाक विषय ताइवान का मुद्दा रहा। चीन ताइवान को अपनी मुख्य भूमि का अटूट हिस्सा और अपने संप्रभु क्षेत्र का एक अनिवार्य अंग मानता है, जबकि इसके विपरीत अमेरिका ताइवान के साथ मजबूत रणनीतिक, कूटनीतिक और रक्षा संबंध बनाए हुए है। इस मुद्दे पर चीनी पक्ष की ओर से अत्यंत कड़े और स्पष्ट शब्दों में यह संदेश दिया गया कि ताइवान को लेकर स्थिति में कोई भी नकारात्मक बदलाव हुआ या अंतरराष्ट्रीय शक्तियों द्वारा स्थापित सीमाओं का उल्लंघन किया गया, तो दोनों महाशक्तियों के संबंध एक अत्यंत गंभीर संकट में फंस सकते हैं। दूसरी ओर, अमेरिकी कूटनीति ने भी अपनी पारंपरिक नीति में किसी बड़े या क्रांतिकारी बदलाव का संकेत नहीं दिया। अमेरिका ने स्थिति को जानबूझकर रणनीतिक रूप से खुला रखने और अपनी पुरानी स्थिति पर अडिग रहने का दृष्टिकोण अपनाया। यह परस्पर विरोधी रुख साफ तौर पर यह दर्शाता है कि ताइवान का मुद्दा आने वाले समय में भी संपूर्ण एशिया प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा का सबसे बड़ा संकट बना रहेगा और निकट भविष्य में इसका कोई शांतिपूर्ण या सर्वमान्य समाधान निकलने की संभावना बेहद कम है। आधुनिक युग की महाशक्ति बनने की दौड़ में तकनीकी क्षेत्र का नियंत्रण एक निर्णायक कारक साबित हो रहा है, और इस बैठक में भी तकनीकी प्रतिस्पर्धा का तनाव पूरी तरह उभरकर सामने आया। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अर्धचालक उद्योग, उन्नत चिप निर्माण तकनीक और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर नियंत्रण जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण विषयों पर दोनों पक्षों के बीच गहन चर्चा तो हुई, लेकिन किसी भी विषय पर कोई ठोस, लिखित या दीर्घकालिक समझौता नहीं हो सका। वैश्विक तकनीकी बाजार और वैश्विक अर्थव्यवस्था पहले से ही इन दोनों शक्तिशाली देशों की प्रतिबंधात्मक नीतियों, निर्यात नियंत्रणों और सुरक्षा कानूनों से गहराई से प्रभावित है। इस बैठक के परिणामों से यह साफ है कि आने वाले समय में उन्नत तकनीकों के विकास और उनके बाजार पर कब्जे को लेकर यह होड़ थमने वाली नहीं है, बल्कि इसके और अधिक तीव्र होने की पूरी आशंका है। इस बीजिंग बैठक का एक और महत्वपूर्ण आयाम यह है कि इसे केवल 2 देशों के द्विपक्षीय संबंधों के चश्मे से नहीं देखा जा सकता, बल्कि इसके गहरे वैश्विक संदर्भ और निहितार्थ हैं। वर्तमान में कच्चे तेल के बाजार और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर पश्चिम एशिया में जारी संघर्षों का प्रतिकूल प्रभाव पहले से ही दिखाई दे रहा है। ऐसे संवेदनशील समय में यदि अमेरिका और चीन के बीच का तनाव किसी भी स्तर पर अनियंत्रित होता है, तो यह वैश्विक स्तर पर महंगाई, मुद्रास्फीति और आर्थिक मंदी को अत्यधिक बढ़ा सकता है। यही कारण है कि दोनों देशों के जिम्मेदार नेताओं ने दुनिया को यह आश्वस्त करने का प्रयास किया कि वे एक विनाशकारी संघर्ष के बजाय एक नियम-आधारित और संतुलित प्रतिस्पर्धा को प्राथमिकता देंगे। हालांकि इस संपूर्ण कूटनीतिक कवायद के पीछे का एक कड़वा यथार्थ यह भी है कि दोनों महाशक्तियों के बीच आपसी विश्वास का स्तर ऐतिहासिक रूप से सबसे निचले स्तर पर पहुंच चुका है। गहरी आर्थिक अंतर्निर्भरता के बावजूद रणनीतिक, वैचारिक और भू-राजनीतिक मुद्दों पर मतभेद इतने गहरे और मौलिक हैं कि किसी भी बड़े या स्थाई समझौते तक पहुंचना व्यावहारिक रूप से असंभव प्रतीत होता है। यही कारण है कि कूटनीतिक मामलों के जानकार इस बैठक को किसी स्थाई शांति समझौते के रूप में नहीं, बल्कि केवल एक अस्थाई स्थिरता लाने के प्रयास के रूप में देखते हैं। वैश्विक राजनीति में यह स्थिति एक नई प्रवृत्ति को रेखांकित करती है, जहां सहयोग और टकराव दोनों समानांतर रूप से चलते हैं और कोई भी पक्ष अपने मूलभूत हितों से पीछे हटने को तैयार नहीं होता। इस पूरे परिदृश्य में सबसे बड़ी वास्तविकता यह है कि अब वैश्विक शक्ति का संतुलन एकध्रुवीय नहीं रह गया है।

पिछले 1 या 2 दशकों में चीन का आर्थिक, सैन्य और रणनीतिक प्रभाव अभूतपूर्व गति से बढ़ा है, जबकि अमेरिका अभी भी वैश्विक वित्तीय प्रणाली और पारंपरिक सैन्य शक्ति के मामले में दुनिया में अग्रणी स्थान पर बना हुआ है। इस कारण दोनों देशों के बीच की यह प्रतिस्पर्धा केवल व्यापारिक मुनाफे तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक गहरी वैचारिक और रणनीतिक वर्चस्व की लड़ाई है। चूंकि इस समय दोनों में से कोई भी पक्ष दूसरे पर एकतरफा या निर्णायक बढ़त बनाने की स्थिति में नहीं है, इसलिए इस प्रकार की उच्च स्तरीय वार्ताएं अक्सर बेहद सीमित और प्रतीकात्मक परिणामों पर ही समाप्त होती हैं। अंततः इस बैठक का निष्कर्ष यही निकाला जा सकता है कि यह कोई नए युग का सूत्रपात नहीं है, बल्कि यह मौजूदा तनावपूर्ण संतुलन को सावधानीपूर्वक बनाए रखने का एक गंभीर प्रयास है ताकि दुनिया को किसी बड़े संकट से बचाया जा सके।

महेन्द्र तिवारी

हर हाल में रोकना होगा अमेरिका-ईरान युद्ध

संपादक/लेखकः राजीव शुक्ला

अमेरिका ईरान युद्ध रुकते दिखाई नहीं दे रहा है, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प अपनी चीन की यात्रा से खाली हाथ वापस आ गए हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अपनी जिन बातों को लेकर चीनी राष्ट्रपति से मिले थे उसमें उनको निराशा ही हाथ लगी है। दुनियां अब महंगाई तथा एक बहुत ही खतरनाक युद्ध के मुहाने पर बैठी है। सोचिए अब जब युद्ध दुबारा शुरू होगा तब क्या होगा। अभी तक दोनों देशों ने एक-दूसरे का बहुत ही नुकसान किया है। लेकिन यहां सबसे ज्यादा नुक्सान मानव सभ्यता का हो रहा है। दुनियां में मंहगाई इस क़दर बढ़ चुकी है कि हर देश इसकी मार सह रहा है। पेट्रोल, गैस के लिए दुनियां में त्राहि-त्राहि मची हुई है। इसके महंगे होने से हर चीज महंगी हो रही है। अगर यह युद्ध अभी नहीं रुका तो क्या होगा? 2026 में अमेरिका-ईरान तनाव अब सिर्फ धमकियों तक सीमित नहीं है। अगर यह टकराव लंबा खिंचता है, तो इसके असर सिर्फ तेहरान और वॉशिंगटन तक नहीं रहेंगे। अब मिडिल ईस्ट में आग फैलेगी, प्रॉक्सी वॉर तेज होगाः हिज़बुल्लाह लेबनान से इज़राइल पर, हूती विद्रोही लाल सागर में जहाजों पर, और इराक-सीरिया में शिया मिलिशिया अमेरिकी बेसों पर हमले बढ़ा देंगे। खाड़ी देश भी इसकी चपेट में आएंगेः सऊदी अरब, यूएई, कतर में मौजूद अमेरिकी बेस ईरान के मिसाइल निशाने पर हैं। सऊदी के तेल प्लांट्स पर 2019 जैसा हमला दोबारा हो सकता है। इज़राइल का सीधा कूदना इसको और भयावह बना सकता है : इज़राइल ईरान के परमाणु ठिकानों पर बड़ा हवाई हमला करेगा। जवाब में ईरान तेल अवीव-हाइफा पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागेगा। डर इस बात का है कि कहीं न्यूक्लियर वार न शुरू हो जाए। तेल की कीमतों ने दुनियां में हाहाकार मचा रखा है, तेल की कीमतें 200 पार जा सकती हैं। हॉर्मुज जलडमरूमध्य से दुनिया का 21% तेल गुजरता है। ईरान ने धमकी दी है कि युद्ध बढ़ा तो वो इसे बंद कर देगा। एक हफ्ते में असर : कच्चा तेल .120-.150 प्रति बैरल हो चुका है और अभी इसके और बढ़ने की उम्मीद बनी हुई है। यदि एक महीने में असर देखा जाए तो ग्लोबल मंदी का खतरा बढ़ गया है। भारत जैसे तेल आयातकों में पेट्रोल 150 रुपये लीटर, महंगाई 9-10% तक जा सकती है। लाल सागर पहले से हूती हमलों से परेशान है। हॉर्मुज बंद हुआ तो यूरोप-एशिया का 60% व्यापार रुक जाएगा। अमेरिका के लिए 'दूसरा अफगानिस्तान' का रिस्क बन गया है। जमीनी जंग मुश्किलः ईरान का क्षेत्रफल इराक से 4 गुना बड़ा है और भूगोल पहाड़ी है। 80 मिलियन आबादी वाला देश। अमेरिका के लिए फुल-स्केल इनवेज़न 2003 के इराक से कहीं ज्यादा महंगा और खूनी होगा। अमेरिकी चुनावी साल में लंबे युद्ध से जनता में नाराजगी बढ़ेगी। मिलिट्री भर्ती पहले से कम है। युद्ध के कारण साइबर वॉर का ख़तरा पैदा हो गया है ईरान के हैकर अमेरिकी पावर ग्रिड, बैंक, वाटर सिस्टम पर हमले कर सकते हैं। 2023 में अमेरिकी कैसीनो पर हुए हमलों से ये साबित हो चुका है। सबसे बड़ा डर परमाणु हथियारों की रेस शुरू होने का है। अगर ईरान को लगा कि उसका अस्तित्व खतरे में है, तो वो एनपीटी से बाहर निकलकर हफ्तों में बम बना सकता है। इंटेलिजेंस एजेंसियां मानती हैं कि ईरान के पास 60% संवर्धित यूरेनियम पहले से है। बम बना तो सऊदी अरब, तुर्की, मिस्र भी परमाणु प्रोग्राम शुरू कर देंगे। मिडिल ईस्ट का 'न्यूक्लियर बैलेंस' पूरी तरह बदल जाएगा। चीन-रूस की एंट्री और वर्ल्ड ऑर्डर का भी खतरा शुरू हो रहा है। चीन के हिसाब से देखा जाए तो ईरान के तेल का सबसे बड़ा खरीदार है। वो ईरान को हथियार, ड्रोन और आर्थिक मदद देगा, लेकिन सीधी जंग से बचेगा। उसकी कोशिश होगी कि अमेरिका मिडिल ईस्ट में फंसा रहे ताकि ताइवान पर दबाव कम हो। रूस यूक्रेन से ध्यान हटाने के लिए अमेरिका को दूसरे फ्रंट पर उलझाना चाहेगा। ईरान को स-400, सुखोई जेट दे सकता है। भारत समेत कई देश दोनों तरफ बैलेंस करने में फंसेंगे। ह सिक्योरिटी काउंसिल पैरालाइज्ड हो जाएगी। सबसे खतरनाक सीनारियोः मिसकैलकुलेशन इतिहास बताता है कि युद्ध प्लान से नहीं, गलती से बढ़ते हैं। अमेरिका का कोई जहाज डूबा, या ईरान का कोई टॉप कमांडर मारा गया, तो दोनों तरफ 'बदला' लेने का दबाव बनेगा। एक मिसाइल जो बेस की जगह शहर पर गिर गई, वो फुल-स्केल रीजनल वॉर शुरू कर सकती है। यह अब छोटा युद्ध नहीं रहेगा। ये तेल, व्यापार, परमाणु हथियार और महाशक्ति टकराव का कॉकटेल बन जाएगा। डिप्लोमेसी फेल हुई तो 2020ह्य का सबसे बड़ा भू-राजनीतिक संकट सामने होगा।

माँ की भाषा, देश की भाषा, दुनिया की भाषाः नई शिक्षा दिशा

[तीन भाषाएँ, तीन आयामः मस्तिष्क, संस्कृति और भविष्य]

[तीन भाषाएं, एक विजनः भारत का बौद्धिक और सांस्कृतिक पुनर्जागरण]

किसी भी राष्ट्र की दिशा उसकी शिक्षा तय करती है। इसी सोच से सीबीएसई ने 1 जुलाई 2026 से कक्षा 9 में तीन भाषा फॉर्मूला (आर-1, आर-2, आर-3) अनिवार्य किया है। एनईपी 2020 और एनसीएफ-एसई 2023 के अनुसार हर छात्र के लिए कम से कम दो भारतीय भाषाएं पढ़ना अनिवार्य होगा। तीसरी भाषा की बोर्ड परीक्षा नहीं होगी, मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर होगा। निर्णय के बाद देशभर में बहस हुई। कुछ ने इसे सुधार कहा, कई ने इसे अतिरिक्त बोझ माना। कक्षा 9 पहले ही प्रतियोगिता और बोर्ड तैयारी का कठिन चरण है। ऐसे में तीन भाषाएं, एआई शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण और गणित-विज्ञान के दो स्तर चुनौतियां बढ़ा रहे हैं। फिर भी हर बड़ा परिवर्तन शुरुआत में कठिन लगता है, पर उसका प्रभाव भविष्य को मजबूत बनाता है। भाषा केवल संवाद नहीं, मस्तिष्क विकास की आधारशिला है। शोध बताते हैं कि बहुभाषी छात्र तेज स्मरण, मजबूत तर्क और बेहतर विश्लेषण क्षमता रखते हैं। उनकी समस्या समाधान क्षमता अधिक प्रभावी होती है। भाषा सोच को दिशा देती है, इसलिए कई भाषाएं सीखने से कल्पनाशक्ति और निर्णय क्षमता बढ़ती है। यूनेस्को मातृभाषा आधारित शिक्षा को बढ़ावा देता है, क्योंकि बच्चा अपनी भाषा में ज्ञान को सरलता से समझता है। भारत जैसे बहुभाषी देश में भाषाई विविधता कमजोरी नहीं, बल्कि शक्ति है। यदि विद्यार्थी केवल एक भाषा तक सीमित रहे, तो वह संस्कृति और समाज की व्यापक समझ से वंचित रहेगा। तीन भाषा फॉर्मूला छात्रों को उनकी जड़ों से जोड़ते हुए उन्हें वैश्विक स्तर पर सक्षम बनाने का प्रयास है। नई नीति का मुख्य प्रश्न इसके चरणबद्ध लागू होने को लेकर है। कई लोग इसे निचली कक्षाओं तक सीमित रखना चाहते थे। लेकिन शिक्षा सुधारों में देरी परिवर्तन रोक देती है। 'अगले बैच' का इंतजार सुधारों को निष्क्रिय कर देता है। आज का कक्षा 9 छात्र अगले 8-10 वर्षों में उच्च शिक्षा और वैश्विक प्रतिस्पर्धा का हिस्सा बनेगा। यदि अभी बहुभाषिक आधार नहीं मिला, तो अवसर सीमित हो सकते हैं। 1968 की तीन भाषा नीति इसका उदाहरण है, जो क्रियान्वयन के अभाव में दस्तावेजों तक सीमित रह गई। इसलिए सीबीएसई इसे घोषणा नहीं, समयबद्ध क्रियान्वयन बना रहा है। ओएसिस पोर्टल पर भाषा विकल्प अद्यतन अनिवार्य किया गया है। नीति के साथ छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों की चिंताएं भी जुड़ी हैं। विद्यार्थी पहले से ही भारी पाठ्यक्रम, कोचिंग दबाव और प्रतिस्पर्धा से जूझ रहे हैं। बढ़ता मानसिक तनाव स्थिति को और कठिन बनाता है। ऐसे में तीन भाषाओं का अतिरिक्त भार कई परिवारों के लिए चिंता है। गैर-हिंदी राज्यों के छात्रों के लिए नई भाषा सीखना कठिन हो सकता है। विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए चुनौती बढ़ जाती है। कुछ अभिभावकों को आशंका है कि विदेशी भाषाओं की जगह क्षेत्रीय भाषाओं या संस्कृत पर जोर देने से वैश्विक अवसर सीमित हो सकते हैं। यदि स्कूलों में प्रशिक्षित शिक्षक और संसाधन नहीं मिले, तो यह सुधार दबाव बन सकता है। इसलिए इसकी सफलता संतुलित क्रियान्वयन पर निर्भर है। चिंताओं के बीच सीबीएसई ने नीति को संतुलित करने के लिए राहतें दी हैं। सबसे बड़ी राहत यह है कि तीसरी भाषा में बोर्ड परीक्षा नहीं होगी, जिससे अंक दबाव कम रहेगा। उद्देश्य अंक आधारित प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि भाषा सीखने की सहज प्रक्रिया है।

संक्रमण व्यवस्था में कक्षा 6 की एनसीईआरटी पुस्तकें और स्थानीय साहित्य उपयोग की अनुमति दी गई है, ताकि सीखना सरल हो। विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों और विदेश स्थित सीबीएसई स्कूलों को छूट दी गई है। नीति चरणबद्ध तरीके से लागू की जा रही है। सीबीएसई चेयरमैन राहुल सिंह के अनुसार आर-3 की शुरुआत कक्षा 6 से हो रही है और पूर्ण क्रियान्वयन 2030-31 तक होगा। इससे स्पष्ट है कि बदलाव योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ रहा है। यह परिवर्तन केवल भाषा नीति नहीं, बल्कि शिक्षा की सोच का पुनर्निर्माण है। सीबीएसई का उद्देश्य रट्टा प्रणाली से हटकर व्यावहारिक और समग्र विकास को बढ़ावा देना है। एआई शिक्षा, कौशल विकास, व्यावसायिक प्रशिक्षण और गणित-विज्ञान के दो स्तर इसी बदलाव का हिस्सा हैं। बदलती दुनिया में केवल याद करने वाला छात्र पर्याप्त नहीं है। उसे तकनीकी समझ के साथ संवाद कौशल, सांस्कृतिक बोध और बहुभाषिक क्षमता भी चाहिए। भाषा सभी विषयों की नींव है—मजबूत भाषाई आधार विज्ञान, गणित, इतिहास और तकनीक की समझ को गहरा करता है। बहुभाषिक विद्यार्थी विभिन्न समाजों से बेहतर संवाद कर पाते हैं। इसलिए तीन भाषा फॉर्मूला केवल शिक्षा नहीं, बल्कि सोच को विस्तृत करने की दिशा है। हर बड़े बदलाव के साथ असहमति और भ्रम स्वाभाविक है, और नई शिक्षा नीति पर भी यही स्थिति है। पर आज की वैश्विक व्यवस्था में केवल एक भाषा और सीमित कौशल पर्याप्त नहीं रहे। दुनिया उन युवाओं को महत्व दे रही है जो तकनीक के साथ बहुभाषिकता और सांस्कृतिक समझ रखते हैं। भारत की युवा शक्ति उसकी सबसे बड़ी संपदा है, लेकिन बिना समयानुकूल शिक्षा सुधार के यह शक्ति अवसर खो सकती है। इसलिए केवल आलोचना नहीं, समाधान जरूरी है। सरकार को शिक्षक प्रशिक्षण, मानसिक स्वास्थ्य सहायता और संसाधनों पर ध्यान देना होगा। विद्यालयों को पढ़ाई को दबाव नहीं, बल्कि सरल और रुचिकर बनाना चाहिए। हर बड़ा बदलाव शुरुआत में प्रश्न उठाता है, पर वही आगे चलकर दिशा बदल देता है। तीन भाषा फॉर्मूला को केवल बोझ मानना उचित नहीं है। यह नीति आने वाली पीढ़ी को अधिक सक्षम और आत्मविश्वासी बनाने का प्रयास है।

चुनौतियाँ रहेंगी, लेकिन सुधार हमेशा कठिन परिस्थितियों में ही सफल होते हैं। यदि अभिभावक, शिक्षक, विद्यालय और नीति-निर्माता मिलकर प्रयास करें, तो यह व्यवस्था नए अवसर दे सकती है। भविष्य में वही विद्यार्थी आगे बढ़ेंगे जो अनेक भाषाओं में सोच सकें, विविध संस्कृतियों को समझ सकें और वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना सकें। इसलिए यह तीन भाषा फॉर्मूला केवल आज की शिक्षा नीति नहीं, बल्कि भविष्य के भारत की मजबूत बौद्धिक और सांस्कृतिक नींव है।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

डबल इंजन की सरकार साइकिल पर हुई सवार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पेट्रोल-डीजल बचत करने की अपील के बाद भाजपा दल के वो नेता जो अब तक सपा दल के साइकिल के प्रतीक पर कई प्रकार तंज कस्ते थे आज वही अपने-आप को डबल इंजन वाली सरकार कहने वाले नेता पट्रोल-डीजल की बचत करने के लिए उसी साइकिल पर सवार होकर अपने अपने दफ्तर जाते नजर आ रहे है। सोशल मीडिया से लेकर समाचार चैनलों तक नेताओं की साइकिल यात्रा चर्चा का विषय बनी हुई हैं। दिलचस्प बात यह है कि जिन राजनीतिक दलों और नेताओ ने पहले साइकिल के प्रतीक का विरोध किया था। वही आज पर्यावरण संरक्षण और ईधन की बचत नाम पर साइकिल का समर्थन करते के नजर आ रहे हैं साथ ही जनता से भी पर्यावरण संरक्षण एवं ईधन की बचत के लिए जनता को भी साइकिल का प्रयोग करने की सलाह दे रहे हैं और भाजपा नेताओं का यह भी कहना है कि साइकिल चलाना केवल पेट्रोल डीजल की बचत लिए ही नहीं बल्कि स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए भी लाभदायक है। उनका तर्क है कि यदि देश का हर नागरिक छोटी दूरी के लिए साइकिल का उपयोग करे तो प्रदूषण कम होगा और ईधन की बचत होगी। अंततः वही साइकिल 'फिट इंडिया' और 'ग्रीन इंडिया' अभियान का हिस्सा बनती दिखाई दे रही है। हालाँकि जनता के बीच असली सवाल अभी भी पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों को लेकर बना हुआ है। लोगों का कहना है कि केवल साइकिल चलाने की अपील से समस्या का समाधान नही होगा बल्कि सरकार को पेट्रोल-डीजल के लिए ठोस कदम उठाना होगा।

हर्षिता यादव

दैनिक राशिफल

मेष राशि कल का दिन आत्मविश्वास बढ़ाने वाला रहेगा। नौकरी में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यापार में रुका धन मिलने के संकेत हैं। परिवार में किसी शुभ समाचार से खुशी का माहौल रहेगा। प्रेम संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। **शुभ रंगः** लाल **शुभ अंकः** 9

वृषभ राशि धैर्य और समझदारी से काम लेने का दिन है। खर्चों पर नियंत्रण रखें। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य में थोड़ी थकान महसूस हो सकती है। **शुभ रंगः** सफेद **शुभ अंकः** 6

मिथुन राशि कल का दिन लाभदायक रहेगा। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग हैं। नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। दोस्तों के साथ समय अच्छा बीतेगा। **शुभ रंगः** हरा **शुभ अंकः** 5

कर्क राशि भावनाओं में बहकर कोई निर्णय न लें। पारिवारिक मामलों में संयम जरूरी रहेगा। नौकरी में मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। माता-पिता का आशीर्वाद लाभ देगा। **शुभ रंगः** क्रीम **शुभ अंकः** 2

सिंह राशि भाग्य का साथ मिलेगा। लंबे समय से रुके कार्य पूरे हो सकते हैं। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा के योग बन रहे हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। **शुभ रंगः** सुनहरा **शुभ अंकः** 1

कन्या राशि कल सावधानी बरतने की आवश्यकता है। किसी भी दस्तावेज पर बिना पढ़े हस्ताक्षर न करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। **शुभ रंगः** हरा **शुभ अंकः** 7

तुला राशि साझेदारी के कार्यों में लाभ होगा। वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा। व्यापार में नए अवसर मिल सकते हैं। मन प्रसन्न रहेगा और आत्मविश्वास बढ़ेगा। **शुभ रंगः** गुलाबी **शुभ अंकः** 6

वृश्चिक राशि विरोधियों से सतर्क रहने की जरूरत है। मेहनत अधिक करनी पड़ सकती है, लेकिन परिणाम अच्छे मिलेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। **शुभ रंगः** मैरून **शुभ अंकः** 8

धनु राशि रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। विद्यार्थियों और प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे लोगों के लिए दिन शुभ है। प्रेम संबंध मजबूत होंगे। **शुभ रंगः** पीला **शुभ अंकः** 3

मकर राशि घर-परिवार के मामलों में व्यस्तता बढ़ सकती है। संपत्ति से जुड़े मामलों में लाभ मिलने की संभावना है। नौकरी में पदोन्नति के संकेत हैं। **शुभ रंगः** नीला **शुभ अंकः** 10

कुंभ राशि संचार और बातचीत से लाभ मिलेगा। नए लोगों से संपर्क भविष्य में फायदेमंद साबित होंगे। छोटी यात्रा के योग हैं। भाई-बहनों का सहयोग मिलेगा। **शुभ रंगः** आसमानी **शुभ अंकः** 4

मीन राशि आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। निवेश करने के लिए समय अच्छा हो सकता है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। **शुभ रंगः** पीला **शुभ अंकः** 12

2047 तक नशामुक्त भारत का संकल्प : जिहादी ड्रग्स, अंतरराष्ट्रीय तस्करी और युवाओं के भविष्य को बचाने की निर्णायक लड़ाई

भारत ने वर्ष 2047 तक 'नशामुक्त भारत' का जो लक्ष्य तय किया है, वह केवल एक सरकारी अभियान नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित करने का राष्ट्रीय संकल्प है। देश जब आजादी के 100 वर्ष पूरे करेगा, तब एक ऐसे भारत की कल्पना की जा रही है जो आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से मजबूत होने के साथ-साथ नशे जैसी घातक बुराई से भी मुक्त हो। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में स्पष्ट शब्दों में कहा कि भारत मादक पदार्थों के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' की नीति पर काम कर रहा है और अब लक्ष्य केवल ड्रग्स पकड़ना नहीं, बल्कि पूरे नेटवर्क को जड़ से समाप्त करना है। आज ड्रग्स का कारोबार केवल अपराध तक सीमित नहीं रह गया है। यह आतंकवाद, हथियारों की तस्करी, हवाला नेटवर्क और अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध से गहराई से जुड़ चुका है। यही कारण है कि भारत सरकार ने मादक पदार्थों के खिलाफ लड़ाई को राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे के रूप में देखना शुरू किया है। हाल ही में 182 करोड़ रुपये मूल्य की जिहादी कैप्टागन ड्रग्स की जब्ती ने सुरक्षा एजेंसियों को भी चौंका दिया। 'ऑपरेशन रेजपिल' के तहत हुई यह कार्रवाई इस बात का संकेत है कि भारत अब अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट्स के निशाने पर है और विदेशी नेटवर्क देश को ट्रांजिट रूट तथा बाजार दोनों के रूप में इस्तेमाल करना चाहते हैं। कैप्टागन एक एम्फेटामिन आधारित नशीला पदार्थ है, जिसे कई युद्धग्रस्त क्षेत्रों में आतंकी संगठनों द्वारा इस्तेमाल किए जाने के कारण 'जिहादी ड्रग' कहा जाता है। माना जाता है कि इसका सेवन करने से व्यक्ति में आक्रामकता बढ़ती है, डर कम होता है और लंबे समय तक जागे रहने की क्षमता पैदा होती है। मध्य पूर्व के संघर्षों में सक्रिय कई आतंकी गुटों के लड़ाकों द्वारा इसका उपयोग किए जाने की खबरें पहले भी सामने आती रही हैं। भारत में इतनी बड़ी मात्रा में इसकी जब्ती ने यह संकेत दिया है कि ड्रग्स का यह खतरनाक नेटवर्क अब एशियाई देशों की ओर तेजी से फैल रहा है। सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि नशे का यह जाल युवाओं को निशाना बना रहा है। स्कूल, कॉलेज और महानगरों के साथ-साथ छोटे शहर भी इसकी चपेट में आ रहे हैं। इंटरनेट और सोशल मीडिया ने ड्रग्स तस्करों के लिए नए रास्ते खोल दिए हैं। अब नशे का कारोबार केवल सीमाओं पर नहीं होता, बल्कि ऑनलाइन नेटवर्क, डार्क वेब और डिजिटल भुगतान के माध्यम से भी संचालित हो रहा है। तस्कर युवाओं को पहले 'फैशन', 'एडवेंचर' या 'तनाव से राहत' के नाम पर नशे की ओर आकर्षित करते हैं और बाद में उन्हें इसकी लत में धकेल देते हैं। एक बार जब युवा इसकी गिरफ्त में आ जाता है, तब उसका शारीरिक, मानसिक और सामाजिक जीवन धीरे-धीरे बर्बाद होने लगता है। मादक पदार्थों का सबसे बड़ा खतरा यह है कि यह व्यक्ति से उसकी सोचने-समझने की क्षमता छीन लेता है। नशे की लत केवल शरीर को नुकसान नहीं पहुंचाती, बल्कि परिवारों को तोड़ देती है। कई युवा अपराध, हिंसा और अवसाद की ओर बढ़ जाते हैं। समाज में चोरी, लूट, हत्या और घरेलू हिंसा जैसी घटनाओं में भी वृद्धि होती है। यही कारण है कि गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि समाज और आने वाली पीढ़ियों के अस्तित्व से जुड़ा प्रश्न है। भारत की भौगोलिक स्थिति भी इस चुनौती को जटिल बनाती है। देश के आसपास ऐसे क्षेत्र मौजूद हैं जो अंतरराष्ट्रीय ड्रग उत्पादन और तस्करी के लिए कुख्यात रहे हैं। समुद्री रास्तों, सीमावर्ती इलाकों और हवाई मार्गों का उपयोग कर तस्कर भारत में प्रवेश करने की कोशिश करते हैं। कई बार ड्रग्स को वैध व्यापारिक सामान के भीतर छिपाकर भेजा जाता है। सुरक्षा एजेंसियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह होती है कि वे इन नेटवर्कों की पहचान करें और उन्हें समय रहते नष्ट करें। इसी खतरे को देखते हुए भारत सरकार ने बहुस्तरीय रणनीति तैयार की है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, सीमा सुरक्षा बल, तटरक्षक बल, राज्य पुलिस, खुफिया एजेंसियां और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा संगठन मिलकर संयुक्त अभियान चला रहे हैं। 'ऑपरेशन रेजपिल' जैसी कार्रवाई यह दिखाती है कि भारत अब केवल प्रतिक्रियात्मक नहीं, बल्कि सक्रिय रणनीति अपनाने लगा है। विदेशों से खुफिया जानकारी जुटाने और उसका विश्लेषण करने वाली एजेंसियां अब ड्रग नेटवर्क की आर्थिक और डिजिटल गतिविधियों पर भी नजर रख रही हैं। सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति का अर्थ है कि किसी भी स्तर पर नरमी नहीं बरती जाएगी। चाहे तस्कर कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। पिछले कुछ वर्षों में बड़ी मात्रा में ड्रग्स की जब्ती, संपत्तियों की कुर्की और अंतरराष्ट्रीय गिरोहों के खिलाफ कार्रवाई इस नीति की गंभीरता को दर्शाती है। लेकिन केवल सरकारी कार्रवाई से समस्या का पूर्ण समाधान संभव नहीं है। समाज की भागीदारी भी उतनी ही आवश्यक है। नशामुक्त भारत का सपना तभी साकार होगा जब परिवार, स्कूल, धार्मिक संस्थाएं और सामाजिक संगठन मिलकर युवाओं को जागरूक करेंगे। बच्चों और किशोरों को यह समझाना जरूरी है कि नशा कोई आधुनिकता या स्टेटस सिंबल नहीं, बल्कि विनाश का रास्ता है। माता-पिता को अपने बच्चों के व्यवहार में होने वाले बदलावों पर ध्यान देना चाहिए। यदि कोई युवा अचानक चिड़चिड़ा हो जाए, पढ़ाई से दूरी बनाने लगे या संदिग्ध मित्र मंडली में शामिल हो जाए, तो इसे गंभीरता से लेना चाहिए। शिक्षण संस्थानों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। स्कूलों और कॉलेजों में नियमित रूप से नशा विरोधी अभियान चलाए जाने चाहिए। खेल, योग, सांस्कृतिक गतिविधियां और सकारात्मक वातावरण युवाओं को गलत रास्ते से बचाने में मदद कर सकते हैं। समाज में सफल और प्रेरणादायक व्यक्तित्वों को भी आगे आकर युवाओं को जागरूक करना चाहिए। तकनीक का उपयोग भी इस लड़ाई में प्रभावी हथियार बन सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा एनालिटिक्स और साइबर मॉनिटरिंग के माध्यम से ड्रग नेटवर्क की गतिविधियों पर नजर रखी जा सकती है। डिजिटल भुगतान और क्रिप्टोकरेंसी के जरिए होने वाले अवैध लेन-देन को ट्रैक करना भी जरूरी है। सरकार यदि आधुनिक तकनीक और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को और मजबूत करती है, तो ड्रग्स तस्करी पर बड़ी चोट पहुंचाई जा सकती है। भारत आज जिस तेजी से वैश्विक शक्ति बनने की ओर बढ़ रहा है, उसमें युवाओं की ऊर्जा सबसे बड़ी ताकत है।

यदि यही युवा नशे की गिरफ्त में चले गए, तो देश की सामाजिक और आर्थिक प्रगति पर गंभीर असर पड़ेगा। इसलिए नशे के खिलाफ यह लड़ाई केवल कानून की लड़ाई नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की लड़ाई है। 2047 तक नशामुक्त भारत का लक्ष्य कठिन जरूर है, लेकिन असंभव नहीं। इसके लिए सरकार की कठोर नीति, सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता और समाज की सामूहिक जिम्मेदारी तीनों का एक साथ चलना जरूरी है। 'ऑपरेशन रेजपिल' जैसी सफलताएं यह विश्वास दिलाती हैं कि भारत अब ड्रग्स तस्करी के खिलाफ निर्णायक संघर्ष के लिए तैयार है। आवश्यकता इस बात की है कि हर नागरिक इस अभियान का सहभागी बने और युवाओं को नशे से बचाने के लिए आगे आए। यदि देश की युवा शक्ति सुरक्षित रहेगी, तभी भारत का भविष्य सुरक्षित रहेगा। नशामुक्त भारत केवल एक नारा नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के स्वस्थ, सुरक्षित और समृद्ध जीवन की आधारशिला है।

कांतिलाल मांडोत

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2009/34814 मो0 नं0 -9511151254, E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

20 मई से शुरू होगा 15वां रुद्र महायज्ञ

प्रतिदिन रामकथा और रामलीला भी होगी

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के ऐहार गांव स्थित आदर्श ऋषि आश्रम में 20 मई से 15वें रुद्र महायज्ञ का आयोजन शुरू होगा। यह धार्मिक अनुष्ठान 28 मई तक चलेगा। समापन के दिन विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। आयोजन को लेकर आश्रम परिसर में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। संत सर्वेश्वर दास व्यासजी महाराज ने बताया कि महायज्ञ की शुरुआत 20 मई बुधवार को प्रातः 7 बजे कलश यात्रा के साथ होगी। इसके बाद विधि विधान से हवन पूजन आरंभ कराया जाएगा। प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 7 बजे तक हवन और पूजन का कार्यक्रम चलेगा। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं के लिए प्रतिदिन श्रीराम कथा का आयोजन भी किया जाएगा। वहीं रात 8 बजे से रामलीला मंचन होगा। धार्मिक कार्यक्रमों में विभिन्न राज्यों से आए विद्वान और कलाकार भाग लेंगे। अयोध्या, जबलपुर, हरियाणा, लखनऊ और जालौन सहित कई स्थानों से संत, कथावाचक और कलाकारों के पहुंचने की सूचना है। महायज्ञ को लेकर क्षेत्र के श्रद्धालुओं में खासा उत्साह है। आयोजन स्थल पर साफ सफाई, पंडाल और श्रद्धालुओं की व्यवस्था का कार्य शुरू कर दिया गया है। संत ने बताया कि महायज्ञ का समापन 28 मई गुरुवार को विशाल भंडारे के साथ होगा। भंडारा अपराह्न 2 बजे से शुरू किया जाएगा।

तेज रफ्तार फोरव्हीलर वाहन ने बाइक सवार दंपति को रौंदा, हालत गंभीर

दुर्घटना/हादसा

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के रायबरेली रोड स्थित आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना के पास रविवार को तेज रफ्तार बेकाबू चौपहिया वाहन ने बाइक सवार दंपति को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सरेनी थाना क्षेत्र के पर्वतखेड़ा गांव निवासी ओमप्रकाश अपनी पत्नी उत्तम शर्मा के साथ बाइक से इलाज कराने जा रहे थे। तभी आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना के निकट पीछे से आए तेज रफ्तार चौपहिया वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में उनकी बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हादसे के बाद चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। घायल दंपति कुछ देर तक सड़क पर लहूलुहान हालत में पड़े तड़पते रहे। घटनास्थल पर भीड़ लगी हुई थी। इसी दौरान वहां से गुजर रहे राना नगर रायबरेली के योगेंद्र प्रताप सिंह ने मानवता दिखाते हुए दोनों को अपने वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने हालत गंभीर होने पर दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

यूपी में अंशकालिक अनुदेशकों का मानदेय बढ़कर हुआ 17 हजार, लोकभवन में सीएम योगी ने वितरित किए चेक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विद्यालयों में बच्चों को जरूरत से ज्यादा संवेदनशील या छुईमुई बनाने के बजाय उन्हें मजबूत, अनुशासित और आत्मनिर्भर बनाने पर ध्यान देना चाहिए। यदि बच्चे स्कूल में स्वच्छता या अन्य जिम्मेदारी वाले कार्यों में सहयोग करते हैं तो उसे नकारात्मक रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। बच्चों में अनुशासन, जिम्मेदारी और श्रम के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसे में यदि कोई शिक्षक बच्चों को स्वच्छता जैसे कार्यों से जोड़ता है तो उसे दंडित करने के बजाय सम्मानित किया जाना चाहिए। रविवार को लोकभवन सभागार में आयोजित 24,717 अंशकालिक अनुदेशकों के सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री ने अंशकालिक अनुदेशकों को बढ़े हुए मानदेय का प्रतीकात्मक चेक भी वितरित किया। बताया कि वर्ष 2011-12 में छह से 14 वर्ष तक के बच्चों को शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 41,307 अंशकालिक अनुदेशकों की नियुक्ति की गई थी। उस समय सात हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय था। वर्तमान में 24,296 अनुदेशक सेवाएं दे रहे हैं। वर्ष 2011-12 से 2022 तक मानदेय में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई। वर्ष 2019 में अनुदेशक महासंघ के साथ बैठक में इस पर चर्चा हुई थी, लेकिन चुनाव अधिसूचना के कारण निर्णय नहीं हो सका। वर्ष 2022 में सरकार ने दो हजार रुपये की वृद्धि की थी, लेकिन अब मानदेय बढ़ाकर 17 हजार रुपये प्रतिमाह कर दिया गया है। साथ ही अनुदेशकों को कैशलेस स्वास्थ्य बीमा सुविधा भी दी गई। निर्देश दिया कि बेसिक शिक्षा परिषद के पोर्टल पर जल्द पंजीकरण कराएं ताकि अगले सप्ताह स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए जा सकें। कहा कि कई स्कूलों में छात्र संख्या कम होने के कारण अनुदेशकों की सेवाएं समाप्त करने के प्रस्ताव आए थे, लेकिन सरकार ने उन्हें अस्वीकार कर 'स्कूल चलो अभियान' और 'आपरेशन कायाकल्प' शुरू किया। आज 96 प्रतिशत विद्यालयों में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हैं। ड्रॉपआउट दर 17-18 प्रतिशत से घटकर लगभग तीन प्रतिशत रह गई है और लक्ष्य इसे शून्य तक पहुंचाने का है। सरकार बच्चों को यूनिफार्म, जूते-मोजे, स्वेटर और अन्य सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। अभिभावकों के खातों में सीधे धनराशि भेजी जा रही है और पुस्तकें भी समय पर उपलब्ध कराई जाएंगी। श्रमिकों और निराश्रित बच्चों के लिए 18 अटल आवासीय विद्यालय स्थापित किए गए हैं, जहां 18 हजार बच्चों के रहने और पढ़ने की व्यवस्था है। इसी तर्ज पर हर जिले में दो-दो मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालय विकसित किए जा रहे हैं। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों को 12वीं तक अपग्रेड किया जा रहा है और सभी 825 विकासखंडों में नए विद्यालयों के लिए धनराशि जारी कर दी गई है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि बेसिक और माध्यमिक विद्यालयों के सभी बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाएगा। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने विभाग की उपलब्धियां गिनाईं, जबकि कैबिनेट मंत्री मनोज कुमार पांडेय ने कहा कि अनुदेशकों की लंबे समय से चली आ रही मानदेय बढ़ाने की मांग अब पूरी हो गई है। कार्यक्रम में समग्र प्रगति पत्र का विमोचन भी किया गया। विधान परिषद सदस्य इंजीनियर अवनीश कुमार सिंह, लालजी प्रसाद निर्मल, विधायक नीरज बोरा व अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा समेत कई लोग मौजूद रहे। बेसिक शिक्षा विभाग ने समारोह में पारंपरिक बुके की जगह पुस्तकों को सम्मान का माध्यम बनाकर एक नई और प्रेरक पहल की। मुख्यमंत्री को राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की प्रसिद्ध कृति रश्मिरथी और संस्कृत

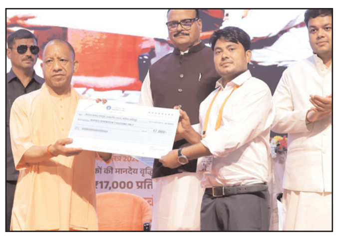

के चार अध्याय पुस्तक भेंट की गई। वहीं उप मुख्यमंत्री, कैबिनेट मंत्री और बेसिक शिक्षा मंत्री को शिवाजी सावंत की पुस्तक युगंधर भेंट की गई। लखनऊ समेत प्रदेश के अन्य जिलों में भी अनुदेशकों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। बढ़ा हुआ मानदेय पहले ही अनुदेशकों के खातों में भेज दिया गया है। कार्यक्रम में 14 अनुदेशकों को प्रतीकात्मक चेक देकर सरकार ने उनके प्रति अपने सहयोग और सम्मान का संदेश दिया। इनमें गोरखपुर, वाराणसी, अयोध्या, लखीमपुर खीरी, रायबरेली, बाराबंकी, सीतापुर, हमीरपुर, लखनऊ, अलीगढ़, उन्नाव और हरदोई के अनुदेशक शामिल रहे। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षकों के पास 'न्यूज और व्यूज' दोनों होते हैं। सरकार ने अनुदेशकों का मानदेय लगभग दोगुण बढ़ाया है और आगे भी उनके हित में काम किया जाएगा।

नीट पेपर लीक के विरोध में यूथ कांग्रेस का प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात ब्रेकिंग न्यूज़

● शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के नगर पंचायत कार्यालय के निकट रविवार को इंडियन यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक और अनियमितताओं को लेकर प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के खिलाफ नारेबाजी की। साथ ही शिक्षा मंत्री को बर्खास्त करने और एनटीए को भंग करने की मांग उठाई। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध जताया। यूथ कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष अभिनव तिवारी संगम ने कहा कि केंद्र सरकार लगातार छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि नीट जैसी महत्वपूर्ण परीक्षा में पेपर लीक और अनियमितताओं ने परीक्षा प्रणाली की पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को तत्काल पद से हटाना चाहिए। साथ ही एनटीए को समाप्त कर पारदर्शी और जवाबदेह परीक्षा प्रणाली लागू करनी चाहिए ताकि छात्रों को न्याय मिल सके। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रतीकात्मक रूप से नोटों की गड्डियां हवा में उछालकर पेपर माफिया और सरकार के बीच कथित मिलीभगत का आरोप लगाया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि छात्रों के हितों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और न्याय मिलने तक आंदोलन जारी रहेगा।

बिना बैरिकेडिंग के आवाजाही, ऑटो कार की भिड़ंत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दुर्घटना/हादसा

सीतापुर- उत्तर प्रदेश के सितापुर जिले में एन एच 24 पर निर्माण कार्य के दौरान एक तरफ सड़क बंद होने और दूसरी तरफ बिना बैरिकेडिंग के दोनों ओर से वाहनों की आवाजाही के कारण एक भयानक दुर्घटना हो गई। मनवा चौकी के पास एक ऑटो की भयंकर दुर्घटना में ऑटो में सवार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना में ऑटो चालक सुरेंद्र ताड़ीखान और विक्रमपुर निवासी एक बुजुर्ग महिला समेत अन्य यात्री (महिला और बच्चे) गंभीर रूप से घायल हुए। घटना के समय लखनऊ जा रहे राहगीर अंकुर यादव ने तुरंत अपनी गाड़ी रोकी और घायलों की मदद की। उन्होंने तुरंत 108 और 1033 को सूचित किया तथा घायलों को अस्पताल पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अंकुर यादव ने घायलों को मौके पर सहारा दिया और उनके परिजनों को भी तुरंत सूचना दी। स्थानीय लोगों ने बताया कि NH-24 पर लंबे समय से सड़क निर्माण/मरम्मत का काम चल रहा है, लेकिन उचित बैरिकेडिंग और ट्रैफिक व्यवस्था न होने के कारण लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि NH-24 पर तुरंत बैरिकेडिंग, साइनेज और उचित ट्रैफिक प्रबंधन सुनिश्चित किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

बालिका इंटर कॉलेज और शिवसरोवर पार्क गेट पर बढ़ा अतिक्रमण

बिसवां कस्बा स्थित बालिका इंटर कॉलेज और शिवसरोवर पार्क के मुख्य गेट पर लगातार बढ़ रहे अतिक्रमण से आम जनता और छात्राओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में स्थानीय निवासी डॉ अंजनी त्रिपाठी ने उपजिलाधिकारी (एसडीएम) बिसवां को शिकायती पत्र सौंपकर मामले में स्थलीय निरीक्षण और उचित कार्रवाई की मांग की है। गत 2 मई 2026 को संपूर्ण समाधान दिवस पर इस अतिक्रमण को हटाने के लिए एक प्रार्थना पत्र दिया गया था। आरोप है कि नगर पालिका प्रशासन ने मौके से अतिक्रमण हटाए बिना ही एक गलत आख्या (निस्तारण रिपोर्ट) लगाकर मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया। वास्तविकता यह है कि वर्तमान में स्थिति और भी भयावह हो चुकी है। कॉलेज और पार्क के मुख्य द्वारों पर ठेले, तरबूज और आम के ढेरों का अवैध कब्जा हो गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम बिसवां ने ईओ और एसडीओ बिसवां को नियमानुसार जांच कर तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए हैं।

राष्ट्रहित सर्वोपरिः शासन-प्रशासन एवं सर्राफा व्यापारियों के मध्य बचत भवन में सम्पन्न हुई महत्वपूर्ण बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रायबरेली- स्थानीय बचत भवन सभागार में जिलाधिकारी श्रीमती सरनीत कौर ब्रोका, पुलिस अधीक्षक रवि कुमार एवं क्षेत्राधिकारी नगर अरुण कुमार की उपस्थिति में जनपद के सर्राफा व्यवसायियों के साथ एक महत्वपूर्ण एवं आपात बैठक सम्पन्न हुई। बैठक का उद्देश्य हाल ही में देश के प्रधानमंत्री एवं उ0प्र0 के मुख्यमन्त्री द्वारा देशहित एवं राष्ट्रीय आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुए आमजन से अनावश्यक रूप से सोना क्रय न करने के आह्वान के संदर्भ में व्यापारियों की समस्याओं एवं सुझावों को सुनना था। बैठक में उपस्थित सर्राफा व्यवसायियों एवं व्यापार मण्डल के पदाधिकारियों ने क्रमवार अपनी बात रखते हुए वर्तमान परिस्थितियों से जुड़ी व्यावहारिक समस्याओं एवं व्यापारिक चिंताओं से प्रशासन को अवगत कराया। प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा सभी बिंदुओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना गया तथा व्यापारियों को आश्वस्त किया गया कि किसी प्रकार की घबराहट अथवा पैनिक की आवश्यकता नहीं है। राष्ट्रहित सर्वोपरि है तथा शासन-प्रशासन व्यापारियों के साथ पूर्ण समन्वय एवं सहयोग की भावना से कार्य कर रहा है। बैठक में जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने सभी व्यापारियों से धैर्य, संयम एवं सकारात्मक सहयोग बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि वर्तमान समय में राष्ट्रीय हित एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को सर्वोच्च प्राथमिकता देना हम सभी का कर्तव्य है। इस अवसर पर उ0प्र0 उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के प्रदेश संगठन मंत्री मुकेश रस्तोगी ने व्यापारियों की ओर से प्रशासन के समक्ष विभिन्न समस्याओं को विस्तारपूर्वक रखा तथा शासन-प्रशासन द्वारा व्यापारियों के साथ संवाद एवं सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाए जाने की सराहना की। श्री रस्तोगी ने कहा कि व्यापारी समाज सदैव राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानता आया है।

वर्तमान परिस्थितियों में शासन एवं प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर कार्य करना हम सभी की नैतिक एवं राष्ट्रीय जिम्मेदारी है। हमें पूर्ण विश्वास है कि प्रशासन व्यापारियों की व्यावहारिक समस्याओं के समाधान हेतु सकारात्मक कदम उठाएगा तथा व्यापारी वर्ग भी राष्ट्रहित एवं सामाजिक संतुलन बनाए रखने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा। स्वर्णकार कल्याण समिति के अध्यक्ष राजेश कुमार सोनी ने अपने वक्तव्य में कहा कि स्वर्णकार एवं सर्राफा व्यापारी समाज हमेशा से राष्ट्र एवं समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करता आया है। वर्तमान परिस्थितियों में हम सभी व्यापारी शासन एवं प्रशासन के साथ पूर्ण सहयोग की भावना से कार्य करेंगे। व्यापारी वर्ग राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानते हुए संयम, धैर्य एवं सकारात्मक सोच के साथ कार्य करता रहेगा, हमें विश्वास है कि शासन-प्रशासन व्यापारियों की समस्याओं एवं व्यावहारिक कठिनाइयों के समाधान हेतु आवश्यक कदम उठाएगा। स्वर्णकार कल्याण समिति के संरक्षक एवं वरिष्ठ व्यापारी नेता चंद्रिका प्रसाद वर्मा 'भुन्दल' ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में व्यापारी समाज को धैर्य एवं समझदारी के साथ कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सर्राफा व्यापारी सदैव राष्ट्रहित एवं सामाजिक संतुलन को प्राथमिकता देते आए हैं तथा शासन-प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर कार्य करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रशासन व्यापारियों की समस्याओं के समाधान हेतु सकारात्मक पहल करेगा। बैठक में स्वर्णकार कल्याण समिति के महामंत्री अमोल सावंत, कोषाध्यक्ष श्रवण कुमार वर्मा, उपाध्यक्ष उमेश कुमार वर्मा, संरक्षक बैजनाथ वर्मा, चंद्रिका प्रसाद वर्मा (भुन्दल), पुरूषोत्तम गुप्ता, विजय वर्मा, उमेश वर्मा, महेश कौशल, युवा जिलाध्यक्ष सत्यांशु दुबे सहित समिति के अनेक सम्मानित सदस्य एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

'डिजिटल लाइफलाइनः एक कनेक्टेड दुनिया में लचीलेपन को मजबूत करना 'विषय पर एक महत्वपूर्ण तकनीकी व्याख्यान का आयोजन किया गया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), उत्तर प्रदेश राज्य केंद्र, लखनऊ द्वारा 'World Telecommunication and Information Society Day' के अवसर पर दिनांक 17 मई 2026 को इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स भवन, आई.ई.आई., रिवर बैंक कॉलोनी, लखनऊ में ' डिजिटल लाइफलाइनः एक कनेक्टेड दुनिया में लचीलेपन को मजबूत करना' विषय पर एक महत्वपूर्ण तकनीकी व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में श्री मयूर श्रीवास्तव, असिस्टेंट प्रोफेसर, बाबू बनारसी दास नॉर्दर्न इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, लखनऊ ने सहभागिता की। अपने व्याख्यान में उन्होंने डिजिटल संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी के वर्तमान परिदृश्य, साइबर सुरक्षा, डिजिटल नेटवर्क की सुदृढ़ता तथा आपदा एवं संकट की परिस्थितियों में डिजिटल तकनीकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि आज के समय में डिजिटल कनेक्टिविटी समाज, शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रशासन एवं उद्योग जगत की महत्वपूर्ण जीवनरेखा बन चुकी है तथा एक सशक्त एवं सुरक्षित डिजिटल नेटवर्क राष्ट्र की प्रगति के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि आधुनिक संचार तकनीकों, डिजिटलीकरण एवं नवाचार के माध्यम से सूचना तंत्र को अधिक सुरक्षित, विश्वसनीय एवं प्रभावी बनाया जा सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence), क्लाउड कंप्यूटिंग, स्मार्ट नेटवर्किंग तथा डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर जैसी अवधारणाएं भविष्य में वैश्विक स्तर पर तकनीकी विकास एवं सामाजिक सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो0 (डॉ.) भरत राज सिंह, पूर्व चेयरमैन, आई.ई.आई. उत्तर प्रदेश राज्य केंद्र, लखनऊ द्वारा की गई। अपने अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने 'World Telecommunication and Information Society Day' के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डिजिटल तकनीकों का प्रभावी एवं सुरक्षित उपयोग वर्तमान समय की आवश्यकता है तथा सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के माध्यम से समाज और राष्ट्र को नई दिशा प्रदान की जा सकती है। उन्होंने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि संस्था भविष्य में भी ऐसे ज्ञानवर्धक एवं तकनीकी कार्यक्रमों का आयोजन करती रहेगी। कार्यक्रम में इं. एन. के. निषाद अवैतनिक सचिव एवं संयोजक ने मुख्य वक्ता का परिचय कराया एवं उनके कार्यों की संक्षेप में जानकारी दी एवं कार्यक्रम के अंत में उन्होंने सभी उपस्थित अभियंताओं, शिक्षाविदों एवं विद्यार्थियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

मिश्रिख तीर्थ में निकली भव्य कलश यात्रा, दधीचि कथा एवं शिवलिंग प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम शुरू

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिश्रिख, सीतापुर- पावन धार्मिक नगरी मिश्रिख तीर्थ स्थित दधीचि कुंड में 16 मई से 19 मई 2026 तक आयोजित होने वाले भव्य 'दधीचि कथा एवं शिवलिंग प्राण प्रतिष्ठा' कार्यक्रम का शुभारंभ शनिवार को कलश यात्रा के साथ हुआ। इस अवसर पर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखने को मिला तथा नगर में गाजे-बाजे के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई। कार्यक्रम के मुख्य यजमान एवं कथा संकल्पी सुठवाल परिवार, जोधपुर (राजस्थान) हैं। कथा व्यास पं. कृष्णगोपाल (राहुल जी) श्रद्धालुओं को दधीचि कथा का रसपान करा रहे हैं। आयोजन मिश्रिख तीर्थ स्थित दधीचि कुंड परिसर में संपन्न हो रहा है। शनिवार को दधीचि कुंड में वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच जल भरकर सभी यजमानों एवं नगरवासियों ने भव्य कलश यात्रा निकाली, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए कथा स्थल श्री महर्षि दधीचि ग्रैंड रिजॉर्ट, कुतुबनगर रोड पहुंची। यात्रा के दौरान श्रद्धालु भक्ति गीतों पर झूमते नजर आए तथा पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में डूब गया। आयोजन समिति के अनुसार प्रतिदिन शाम 6 बजे से रात्रि 9 बजे तक कथा का आयोजन किया जाएगा। 18 मई सोमवार को सायं 7 बजे महाआरती तथा 19 मई मंगलवार को प्रातः 8 बजे हवन एवं 9 बजे महाप्रसादी भंडारे का आयोजन होगा। इस मौके पर महर्षि दधीचि मंदिर बीके महंत देवानंद गिरी, नगर पालिका प्रतिनिधि अजय भार्गव, विकास हिन्दू सहित नगर के तमाम संभ्रांत व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भारी पुलिस बल भी तैनात रहा। आयोजकों ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्म लाभ लेने की अपील की है।

महमूदाबाद में बंद मकान का ताला तोड़ लाखों का सामान चोरी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

स्वतंत्र प्रभात ब्रेकिंग न्यूज़

महमूदाबाद-सीतापुर। कोतवाली महमूदाबाद क्षेत्र के अंतर्गत चोरों ने एक सूने मकान को अपना निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के जेवरात, नकदी और अन्य कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया। घटना के समय पीड़ित परिवार लखनऊ के एक निजी अस्पताल गया हुआ था। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। प्राप्त विवरण के अनुसार, कस्बा निवासी ताहिर अबरार रिजवी अपने परिवार के साथ शुक्रवार को लखनऊ के एक निजी अस्पताल गए थे, जहाँ उनकी भाभी की बहन का ऑपरेशन होना था। पूरा परिवार घर में ताला बंद करके गया हुआ था। इसी बीच सूने मकान का फायदा उठाकर चोर छत के रास्ते घर के भीतर दाखिल हुए। चोरों ने सबसे पहले छत पर लगी लोहे की जाली को काटा और अंदर उतरकर कमरों में रखी अलमारी व बक्सों के ताले तोड़ डाले। शनिवार देर शाम जब पीड़ित परिवार अस्पताल से वापस अपने घर लौटा, तो घर के अंदर का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। घर का सारा सामान बिखरा पड़ा था और अलमारियों के ताले टूटे हुए थे। चोरों ने घर में रखे सोने-चांदी के कीमती आभूषण, नकदी, गैस सिलेंडर समेत अन्य आवश्यक सामान समेटकर फरार हो गए थे। चोरी गए सामान की कीमत लाखों में बताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया और मौके पर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। पीड़ित परिवार द्वारा पुलिस को मामले की सूचना दी गई। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण किया और आस-पास के लोगों से पूछताछ कर संदिग्धों के बारे में जानकारी जुटाना शुरू कर दिया है। प्रभारी निरीक्षक भानु प्रताप सिंह ने बताया कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है। पीड़ित पक्ष से तहरीर मिलने पर आवश्यक वैधानिक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस टीम संदिग्धों का पता लगाने का प्रयास कर रही है और जल्द ही इस चोरी की घटना का खुलासा किया जाएगा।

जर्नलिस्ट प्रोटक्शन एसोसिएशन ने धूमधाम से मनाया स्थापना दिवस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के अयोध्या रोड स्थित एक निजी प्रतिष्ठान में धूमधाम से मनाया गया जर्नलिस्ट एसोसिएशन का स्थापना दिवस। इस आयोजन में मुख्य अतिथि कुलदीप पति त्रिपाठी (अपर महाधिवक्ता उ0प्र0) ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत किया। कार्यक्रम सुबह दस बजे से शाम चार बजे तक चला सभी ने अपने अपने विचार एवं सुझाव साझा किए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कुलदीप पति त्रिपाठी ने पत्रकार और अधिवक्ता को एक दूसरे का पूरक बताया साथ ही कंधे से कंधा मिलाकर एक दूसरे का सहयोग करने की अपील की उन्होंने कहा पत्रकार समाज के लिए संजीवनी की तरह होता है। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि डॉ विजय पुष्कर ने पत्रकारों के योगदान को सराहा और कुछ घटनाओं का उल्लेख किया। स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष विवेक प्रताप सिंह ने पत्रकारों के लिए 24 घंटा उपलब्ध रहने की बात कही साथ ही कई घटनाओं का उल्लेख करते हुए संगठन द्वारा किए गए सहयोग और कार्यों की सराहना किया। उन्होंने सभी पत्रकारों को निर्भीकता से तटस्थ रहते हुए पत्रकारिता करने की सलाह दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संगठन के प्रवक्ता देवकीनंदन पांडे ने पत्रकारों को सत्य का मसीहा बताया साथ ही उन्होंने 24 घंटे संगठन एवं संगठन से जुड़े पत्रकारों के लिए खड़ा रहने की बात की उन्होंने आज के समय में नेता के बगल बैठने वाले चाटुकार एवं जमीन पर काम करने वाले पत्रकारों में अंतर स्पष्ट किया। सह प्रवक्ता अमरदीप मिश्रा ने संगठन एवं अध्यक्ष विवेक प्रताप सिंह की सराहना किया। मीडिया प्रभारी सत्येंद्र शर्मा ने संगठन के अध्यक्ष को एक सच्चा और निडर योद्धा बताया। सचिव अभिषेक सिंह ने पत्रकारों के लिए लगातार कार्य करने वाले अध्यक्ष विवेक प्रताप सिंह को एक समर्पित व्यक्तित्व एवं महान पुरुष बताया। वही कार्यक्रम में उपस्थित कमल पांडे और भाजपा नेता राजकुमार लोधी ने संगठन के अध्यक्ष की बार-बार प्रशंसा की। संगठन के कोषाध्यक्ष नरसिंह नारायण पांडे ने पत्रकारों को पत्रकारिता करने की सलाह दी और साथ ही संगठन को आगे बढ़ाने पर जोर देने की बात कही। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विवेक प्रताप सिंह ने फूल माला, अंग वस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर कार्यक्रम में आए अतिथियों का भव्य स्वागत किया। संगठन के सम्मानित संरक्षक सदस्यों का जेपीए अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों ने फूल माला अंग वस्त्र पहना कर स्मृति चिन्ह देकर जोरदार स्वागत किया। स्वतंत्र भारत हिन्दी दैनिक समाचार पत्र के मुद्रक प्रकाशक अतुल शुक्ला का भव्य स्वागत किया गया। वरिष्ठ पत्रकारों की उपस्थिति में एक घंटे की कार्य शाला का आयोजन किया गया जिसमें वर्तमान समय में कैसे की जाय सुरक्षित पत्रकारिता के विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। कार्यशाला के दौरान स्वतंत्र भारत राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र के मुद्रक प्रकाशक अतुल शुक्ला ने पत्रकारों को तटस्थ रहते हुए सिक्के के दोनों पहलुओं की जांच करने के बाद खबर लिखने की सलाह दी। चिनहट पार्षद अरूण कुमार राय एवं पूर्व मंडल अध्यक्ष कमल पांडेय का जेपीए ने फूल माला अंग वस्त्र पहना कर स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। अरूण कुमार राय ने अपने संबोधन में कहा पत्रकार समाज का आईना है। और यह संगठन कई वर्षों से समाज हित में काम कर रहा है। उत्कृष्ट कार्य करने वाले वरिष्ठ पत्रकारों का सम्मान किया गया जिन्होंने समाज व देश के लिए काम किया है। कार्यक्रम के संयोजक एवं कार्यकारी संगठन मंत्री प्रवीण सिंह ने संगठन की प्रशंसा की साथ ही संगठन के अध्यक्ष को एक निर्भीक निडर और सब का सहयोग करने वाला व्यक्ति बताया। उन्होंने कहा हमें गर्व की अनुभूति होती है कि हम जेपी संगठन में हैं। स्थापना दिवस समारोह में मुख्य रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष विवेक प्रताप सिंह, संरक्षक सदस्य शिव शंकर मिश्रा, संरक्षक सदस्य जोगिंदर सिंह खालसा, संरक्षक सदस्य अमित राज यादव, संरक्षक सदस्य भगवान दास, संरक्षक सदस्य प्रभाकर प्रहाराज, कोषाध्यक्ष नरसिंह नारायण पांडेय, संरक्षक विवेक विश्व पांडेय, सह प्रवक्ता अमर दीप मिश्रा, मीडिया प्रभारी सत्येंद्र शर्मा, उपाध्यक्ष रवि जायसवाल, संगठन मंत्री प्रवीण सिंह, सह संगठन मंत्री रंजीत सिंह, सह प्रचार मंत्री सैय्यद इकबाल, सह मीडिया प्रभारी सौरभ निगम, राम लायक यादव, लखनऊ जिला अध्यक्ष सनी साह, जिला संगठन मंत्री निशांत सिंह, जिला उपाध्यक्ष शरद चंद्र, अधिवक्ता प्रमोद पांडे, अधिवक्ता अजय पांडे, अधिवक्ता प्रभात द्विवेदी, अधिवक्ता शरद शर्मा, अधिवक्ता बिलाल सहित, जिला महिला अध्यक्ष प्रियंका निगम, पूर्णिमा सोनकर, रोशनी सोनकर तथा मातृशक्ति के रूप में सुमन सिंह उपस्थित रहीं, साथी ही लखनऊ से चौधरी वीरेंद्र, सुनील यादव हरदोई जनपद के पत्रकार संतोष सिंह उपस्थित रहे। और संगठन के सभी पत्रकार साथी उपस्थित रहे और सभी ने स्थापना दिवस समारोह को शानदार बनाने के लिए सभी कार्यों को संपादित करते हुए उत्साह पूर्वक आयोजन को सफल बनाया।

संक्षिप्त खबरें

इंदौर के बाद पटना का जलवा, सिटीजन फीडबैक में लखनऊ-प्रयागराज को पछाड़ा

पटना। बिहार की राजधानी पटना अब सिर्फ राजनीति और शिक्षा के लिए ही नहीं, बल्कि स्वच्छता को लेकर भी देशभर में नई पहचान बना रही है। स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 के तहत सिटीजन फीडबैक में पटना ने पूरे देश में दूसरा स्थान हासिल किया है। अब तक 4 लाख 49 हजार से ज्यादा लोगों ने शहर की सफाई और नागरिक सुविधाओं को लेकर अपनी राय दी है। माना जा रहा है कि इसका सीधा फायदा पटना की राष्ट्रीय स्वच्छता रैंकिंग में देखने को मिल सकता है। स्वच्छ भारत मिशन के आंकड़ों के मुताबिक इंदौर 6.81 लाख फीडबैक के साथ पहले स्थान पर है। वहीं पटना 4.49 लाख से अधिक फीडबैक के साथ दूसरे नंबर पर पहुंच गया है। इसके बाद लखनऊ, प्रयागराज और आगरा का स्थान है। पटना का यह प्रदर्शन इसलिए भी खास माना जा रहा है क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं। नगर निगम द्वारा चलाए जा रहे जागरूकता अभियान में छात्रों और युवाओं की भागीदारी सबसे ज्यादा देखने को मिली। बोरिंग रोड, मुसल्लाहपुर हाट, बाजार समिति और अशोक राजपथ के कोचिंग संस्थानों व हॉस्टलों में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने ऑनलाइन फीडबैक दिया। इसके अलावा रेलवे स्टेशन, पार्क, चिड़ियाघर, मॉल और स्लम बस्तियों में भी लोगों को फीडबैक प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी जा रही है। अभियान को तेज करने के लिए नगर निगम ने दो सदस्यीय 13 टीमें बनाई हैं। इनमें वरीय अधिकारी, कर्मचारी और कंसल्टेंट्स शामिल हैं। ये टीमें शहर के अलग-अलग इलाकों में जाकर लोगों को स्वच्छता सर्वेक्षण में भाग लेने के लिए प्रेरित कर रही हैं। फील्ड असेसमेंट 26 अप्रैल से 24 मई तक चल रहा है, जिसे निगम के लिए बेहद अहम माना जा रहा है।इस बार नगर निकायों का मूल्यांकन कुल 12,500 अंकों के आधार पर किया जाएगा। इसमें ऑन-ग्राउंड असेसमेंट को सबसे ज्यादा महत्व दिया गया है, जिसके लिए 9,500 अंक तय हैं। वहीं सिटीजन फीडबैक के लिए 1,000 अंक निर्धारित किए गए हैं। यानी लोगों की राय सीधे शहर की रैंकिंग तय करने में बड़ी भूमिका निभाएगी। नगर निगम ने लोगों से घर, मोहल्ले और सार्वजनिक स्थलों को साफ रखने की अपील की है। साथ ही चार प्रकार के कचरे को अलग-अलग रखने और खुले में कचरा नहीं फेंकने को कहा गया है। किसी भी सफाई, नाला या सार्वजनिक शौचालय संबंधी समस्या होने पर लोग टोल फ्री नंबर 155304 और व्हाट्सएप चैटबॉट 9264447449 पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

तहसील दिवस में डीएम व डीसीपी ने सुनीं जनसमस्याएं, कई मामलों का मौके पर निस्तारण

सोरांव/प्रयागराज। तहसील सोरांव में आयोजित सम्पूर्ण समाधान/तहसील दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा एवं पुलिस उपायुक्त गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत ने फरियादियों की शिकायतें सुनकर संबंधित अधिकारियों को त्वरित एवं निष्पक्ष कार्रवाई के निर्देश दिए। तहसील दिवस में बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने भूमि विवाद, राजस्व, पुलिस, विद्युत, पेंशन, आवास तथा अन्य विभागों से जुड़ी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप आमजन की समस्याओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर करते हुए शिकायतकर्ताओं को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगवाए जाएं। पुलिस उपायुक्त गंगानगर ने पुलिस से संबंधित मामलों की सुनवाई करते हुए थाना प्रभारियों को निर्देश दिया कि आपसी विवादों एवं भूमि संबंधी मामलों में संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई की जाए तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। तहसील दिवस के दौरान कई शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष मामलों के शीघ्र समाधान के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने शिकायतकर्ताओं को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं का पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से समाधान कराया जाएगा। इस अवसर पर पुलिस एवं राजस्व विभाग के अन्य अधिकारी, कर्मचारी तथा विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

मालदीव में बड़ा डाइविंग हादसा, समुद्री गुफाओं की खोज में गए इटली के 5 गोताखोरों की मौत

● मालदीव के वावू एटोल में समुद्र के नीचे गुफाओं की खोज के दौरान पांच इतालवी गोताखोरों की मौत हो गई, जिसे स्थानीय अधिकारियों ने देश का सबसे बड़ा डाइविंग हादसा बताया है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

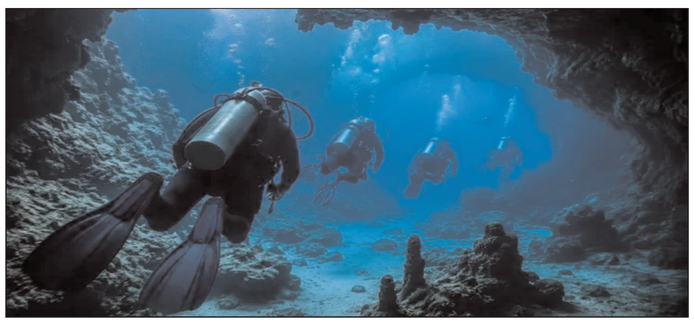

दिल्ली। मालदीव के वावू एटोल में समुद्र के नीचे मौजूद गुफाओं की खोज के दौरान इटली के पांच गोताखोरों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने इसे मालदीव के इतिहास का सबसे बड़ा डाइविंग हादसा बताया है। सभी गोताखोर करीब 50 मीटर गहराई में मौजूद अंडरवॉटर गुफाओं की जांच के लिए गए थे, लेकिन वापस नहीं लौट सके। अब तक केवल एक शव बरामद किया गया है। खराब मौसम और समुद्र की कठिन परिस्थितियों के कारण बचाव अभियान में परेशानी आ रही है। अधिकारियों का मानना है कि बाकी चार गोताखोरों के शव अब भी गुफा के अंदर हो सकते हैं। सर्च ऑपरेशन शनिवार को फिर शुरू किया जाएगा। मालदीव सरकार ने मृतकों की पहचान मोनिका मोंटेफाल्कोने, जॉर्जिया सोमाकाल, फेडेरिको गुआल्तिएरी, म्यूरियल ओडेनिनो और जियानलुका बेनेडेट्टी के रूप में की है। यह टीम 'ड्यूक ऑफ यॉर्क' नाम की बोट से समुद्र में गई थी।

यूनिवर्सिटी ऑफ जेनोवा से जुड़े थे गोताखोर

रिपोर्ट्स के मुताबिक पांच में से कम से कम चार गोताखोर इटली की यूनिवर्सिटी ऑफ जेनोवा से जुड़े थे। जियानलुका बेनेडेट्टी बोट ऑपरेशंस मैनेजर थे और उनका शव ही अब तक बरामद हो पाया है। मोनिका मोंटेफाल्कोने मरीन बायोलॉजिस्ट थीं और यूनिवर्सिटी ऑफ जेनोवा में ट्रॉपिकल मरीन इकोलॉजी और अंडरवॉटर साइंस की प्रोफेसर थीं। वह मालदीव में चल रहे एक आइलैंड मॉनिटरिंग अभियान की वैज्ञानिक निदेशक भी थीं। उनकी बेटी जॉर्जिया सोमाकाल को भी समुद्र और डाइविंग में रुचि थी। उन्होंने बायोमेडिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी। वहीं 31 वर्षीय म्यूरियल ओडेनिनो मरीन बायोलॉजिस्ट और इकोलॉजिस्ट थीं। फेडेरिको गुआल्तिएरी ने हाल ही में मरीन बायोलॉजी और इकोलॉजी में डिग्री पूरी की थी और वह प्रमाणित स्कूबा डाइविंग इंस्ट्रक्टर भी थे।

खराब मौसम से प्रभावित हुआ रेस्क्यू ऑपरेशन

बचाव अधिकारियों के अनुसार, बेनेडेट्टी का शव अंडरवॉटर गुफा के प्रवेश द्वार के पास मिला। बाकी गोताखोरों के अंदर फंसे होने की आशंका है। जिस गुफा में टीम गई थी, उसमें तीन बड़े चैम्बर्स हैं, जो पतले रास्तों से जुड़े हुए हैं। रेस्क्यू टीम अब तक दो चैम्बर्स की तलाशी ले चुकी है। हालांकि, डाइविंग की सुरक्षित समय सीमा और खराब मौसम के कारण अभियान सीमित रखना पड़ा। शुक्रवार को आठ गोताखोरों ने सर्च ऑपरेशन में हिस्सा लिया, लेकिन मौसम बिगड़ने के बाद मिशन रोकना पड़ा। इसी बीच इटली सरकार ने कहा है कि वह 'डाइवर्स अलर्ट नेटवर्क' नाम की विशेषज्ञ संस्था के साथ मिलकर शवों को वापस लाने की प्रक्रिया पर काम कर रही है।

मौत की वजह की जांच जारी

गोताखोरों की मौत की असली वजह अभी साफ नहीं हो पाई है। जांच एजेंसियां कई संभावनाओं पर काम कर रही हैं। मालदीव पुलिस यह जांच कर रही है कि क्या खराब मौसम के कारण पानी के अंदर विजिबिलिटी बहुत कम हो गई थी। हादसे के समय 25 से 30 मील प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही थीं। इटली की मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कम विजिबिलिटी की वजह से गोताखोर गुफा के अंदर रास्ता भटक गए होंगे। मोनिका मोंटेफाल्कोने के पति कार्लो सोमाकाल ने कहा कि डाइविंग के दौरान कोई अप्रत्याशित घटना हुई होगी। उन्होंने कहा कि उनकी पत्नी बेहद अनुभवी गोताखोर थीं और वह कभी अपनी बेटी या टीम को खतरे में नहीं डालतीं। जांचकर्ता इस संभावना पर भी काम कर रहे हैं कि कोई गोताखोर गुफा में फंस गया हो और बाकी साथी उसे बचाने की कोशिश में ऑक्सीजन खत्म होने या घबराहट का शिकार हो गए हों। कुछ विशेषज्ञ ऑक्सीजन टॉक्सिसिटी की आशंका भी जता रहे हैं, जिसमें ज्यादा दबाव के कारण ऑक्सीजन जहरीली साबित हो सकती है।

ट्रंप के बाद व्लादिमीर पुतिन भी जाएंगे चीन, 19 मई को रूसी राष्ट्रपति का दो दिवसीय बीजिंग दौरा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। वैश्विक राजनीति के रंगमंच पर एक तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप बीजिंग की अपनी राजकीय यात्रा पूरी कर रवाना हुए हैं, तो दूसरी तरफ रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने चीन का रुख कर लिया है। क्रेमलिन के अनुसार, पुतिन 19 और 20 मई को चीन की दो दिवसीय यात्रा पर रहेंगे, जहां उनकी मुलाकात चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से होगी। यह दौरा ऐसे समय पर हो रहा है जब दुनिया की निगाहें महाशक्तियों के बदलते समीकरणों पर टिकी हैं।

दोस्ती के 25 साल और गहरे होते रिश्ते

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की यह यात्रा महज एक कूटनीतिक मुलाकात नहीं, बल्कि दोनों देशों के बीच समय की कसौटी पर खरी उतरी दोस्ती का जश्न है। दरअसल, पुतिन का यह दौरा वर्ष 2001 की 'चीन-रूस मैत्री संधि' की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित हो रहा है। दोनों शीर्ष नेता न केवल द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाई देने पर बात करेंगे, बल्कि आर्थिक सहयोग और 'प्रमुख अंतरराष्ट्रीय व क्षेत्रीय मुद्दों' पर भी विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। यूक्रेन युद्ध के बाद से, पश्चिमी देशों के कड़े प्रतिबंधों के बीच रूस और चीन के रिश्ते बेहद गहरे हुए हैं। मुश्किल वक्त में चीन, रूस का सबसे बड़ा व्यापारिक और रणनीतिक सहारा बनकर उभरा है।

'प्रिय मित्रों' की मुलाकात पर दुनिया की नजर

पिछले साल सितंबर में जब पुतिन चीन गए थे, तब चिनफिंग ने उन्हें 'पुराना दोस्त' कहा था और पुतिन ने भी उन्हें 'प्रिय मित्र' कहकर पुकारा था। यह आत्मीयता आज के दौर में और अधिक प्रासंगिक हो गई है। ट्रंप ने अपनी यात्रा के दौरान चिनफिंग के साथ व्यापार और ईरान में जारी युद्ध जैसे संवेदनशील मुद्दों पर चर्चा की थी। अब पुतिन की इस यात्रा से बीजिंग एक बार फिर वैश्विक कूटनीति का केंद्र बन गया है। इस साल नवंबर में शेनझेन में होने वाले एपेक (एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग) शिखर सम्मेलन में भी पुतिन शिरकत करेंगे, जो दर्शाता है कि बीजिंग और मॉस्को की यह जुगलबंदी आने वाले समय में वैश्विक राजनीति की दिशा तय करने वाली है।

दिल्ली में कुत्तों के साथ कुकर्म करने का आरोपी गिरफ्तार,वीडियो वायरल होने के बाद लोगों में आक्रोश

दिल्ली। शाहदरा के फर्श बाजार थाना क्षेत्र के शालीमार पार्क एक्सटेंशन इलाके में कुत्तों के साथ कथित कुकर्म करने के आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित होने के बाद लोगों में आक्रोश फैल गया। इसके बाद एनजीओ संचालिका बबीता और उनके साथियों ने मामले की शिकायत पुलिस से की। शिकायतकर्ता बबीता ने पुलिस को बताया कि वह बेसहारा जानवरों की देखभाल और उन्हें खाना खिलाने का काम करती हैं। 14 मई की रात उन्हें सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति कुत्तों के साथ गलत हरकत करता है। आरोप है कि आरोपित लंबे समय से इस तरह की हरकत कर रहा था। उसका वीडियो भी प्रसारित हो रहा था। पुलिस के अनुसार, शिकायत के आधार पर फर्श बाजार थाने में पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया। मामले की जांच की जा रही है।

मिचेल मार्श के तूफान में उड़ी चेन्नई, लखनऊ ने घर पर अदब से दी मात

● इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 59वें मुकाबले में शुक्रवार को लखनऊ सुपर जायंट्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को 7 विकेट से मात दी।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 59वें मुकाबले में शुक्रवार को लखनऊ सुपर जायंट्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को 7 विकेट से मात दी। यह मैच लखनऊ के भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया। लखनऊ के कप्तान ऋषभ पंत ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई ने 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 187 रन बनाए। कार्तिक शर्मा ने सबसे ज्यादा 71 रन की पारी खेली। उनके अलावा शिवम दुबे ने 16 गेंदों पर नाबाद 32 रन कूटे। डेवाल्ड ब्रेविस ने 25 और संजू सैमसन ने 20 रन जोड़े। लखनऊ की ओर से इस सीजन का पहला मैच खेल रहे आकाश सिंह ने कमाल की गेंदबाजी की। उन्होंने 4 ओवर में सिर्फ 26 रन देकर 3 अहम सफलताएं अपने नाम कीं। 188 रन के टारगेट को लखनऊ ने 17वें ओवर में ही चेज कर लिया। मिचेल मार्श शतक से चूक गए। उन्होंने 38 गेंदों पर 90 रन की तूफानी पारी खेली। इस दौरान मार्श ने 9 चौके और 7 छक्के जड़े। जोश इंग्लिश ने 32 गेंदों पर 36 रन बनाए। निकोलस पूरन 17 गेंदों पर 32 रन बनाकर नाबाद रहे।

मां बनने के बाद पोस्टपार्टम को याद कर इमोशनल हुई रुबीना दिलैक

● रुबीना दिलैक ने जुड़वा बेटियों की मां बनने के बाद अपने पोस्टपार्टम डिप्रेशन के मुश्किल दौर को साझा किया। उन्होंने बताया कि इस दौरान वह बेहद उदास रहती थीं और खुद को नापसंद करने लगी थीं, जिसमें अभिनव शुक्ला ने उनका पूरा साथ दिया।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। टेलीविजन एक्ट्रेस रुबीना दिलैक साल 2023 में मां बनी थीं। एक्ट्रेस ने दो जुड़वा बेटियों को जन्म दिया जिनका नाम उन्होंने जीवा और एधा रखा। रुबीना दिलैक ने अभिनव शुक्ला से 21 जून 2018 को शिमला में शादी की थी। अब अभिनेत्री रोहित शेट्टी के रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 15 में एक बार फिर हिस्सा लेने जा रही हैं। एक्ट्रेस ने मां बनने के बाद अपने जीवन में आए मुश्किल दौर के बारे में खुलकर बात की।

बेहद उदास रहने लगी थीं रुबीना

जब रुबीना से उनके पोस्टपार्टम डिप्रेशन के बारे में पूछा गया तो एक्ट्रेस ने कहा- 'पोस्टपार्टम सच में होता है। हार्मोन्स की वजह से शरीर में बदलाव आते हैं। इसे वही व्यक्ति समझ सकता है जो इससे गुजर चुका हो।

फरवरी तक मैं बेहद उदास थी और अपनी पहचान को लेकर संघर्ष कर रही थी। नवंबर, दिसंबर, जनवरी और फरवरी मेरे पोस्टपार्ट्म के सबसे कठिन दौर थे। पोस्टपार्टम के सामने डिप्रेशन कुछ नहीं था।' रुबीना ने आगे बताया कि पोस्टपार्टम और डिप्रेशन को हल्के में नहीं लेना चाहिए। अगर कोई महिला की कही इस बात को खारिज कर रहा है तो इसका मतलब ये है कि उसने

कभी इसे झेला ही नहीं।

सोशल होने से लग रहा था डर

जब आप अपने पोस्टपार्टम फेज में होते हैं तो आप खुद को नापसंद करने लगते हैं। आपको बाहर जाना, दूसरों से मिलना-जुलना अच्छा नहीं लगता। आपके हॉर्मोन्स बहुत डाउन होते हैं। सुबह उठने का मन नहीं करता। अगर किसी महिला को इस समय सपोर्ट नहीं मिलता तो कई बार उसे लोग पागल बुलाने लगते हैं। हालांकि अभिनव ने इस पूरी जर्नी के दौरान रुबीना को बहुत सपोर्ट किया।

इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर 3.5 किलो सोने के साथ अमेरिकी नागरिक गिरफ्तार

● इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने सैन फ्रांसिस्को से आए एक अमेरिकी नागरिक को 3.5 किलो सोने की तस्करी करते हुए गिरफ्तार किया है। आरोपी ने 115 सोने के बिस्किट कपड़ों में छिपा रखे थे, जिसकी कीमत करोड़ों में बताई जा रही है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग की एयर इंटेलिजेंस यूनिट ने सोने की तस्करी के एक बड़े अंतरराष्ट्रीय रैकेट का भंडाफोड़ किया है। कस्टम अधिकारियों ने खुफिया जानकारी और रिस्क बेस्ड प्रोफाइलिंग के आधार पर जाल बिछाकर सैन फ्रांसिस्को से आए एक भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक को गिरफ्तार किया है। आरोपित अपने कपड़ों में बेहद शातिर तरीके से छिपाकर 115 सोने के बिस्किट (गोल्ड बार) भारत ला रहा था। जब्त किए गए सोने का कुल वजन करीब 3.5 किलो है।

ग्रीन चैनल पार करने की फिराक में था तस्कर

कस्टम अधिकारियों के मुताबिक आरोपित 15 जुलाई को सैन फ्रांसिस्को से एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआइ-4174 के जरिए दिल्ली पहुंचा था। वह इंटरनेशनल अराइवल टर्मिनल पर कस्टम अधिकारियों की नजरों से बचकर चुपके से 'ग्रीन चैनल' पार करने की कोशिश कर रहा था। लेकिन पहले से ही गुप्त निगरानी पर तैनात यूनिट की टीम ने उसकी संदिग्ध हरकतों को भांप लिया और उसे रोक लिया।

विशेष बेल्ट और पैंट की जेबों में छुपाया था खजाना

जब यात्री और उसके सामान की व्यवस्थित तरीके से व्यक्तिगत तलाशी ली गई, तो अधिकारी भी हैरान रह गए। आरोपित ने सोने को छिपाने के लिए एडवांस

तकनीक और शातिर दिमाग का इस्तेमाल किया था। उसने एक विशेष रूप से डिजाइन की गई बेल्ट पहन रखी थी और अपनी ट्राउजर के अंदरूनी हिस्सों में गुप्त जेबें बना रखी थीं। इन्हीं जेबों के अंदर शुद्ध 24-कैरेट (999.9 शुद्धता) के 115 सोने के बिस्किट छिपाए गए थे। कस्टम विभाग ने तस्करी कर लाए गए इस अवैध सोने को कस्टम एक्ट, 1962 की धारा 110 के तहत जब्त कर लिया है। वहीं, आरोपित अमेरिकी नागरिक को कस्टम एक्ट की धारा 104 के तहत गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

बेतिया में आशा कार्यकर्ताओं का सरकार पर तीखा हमला

● बकाया भुगतान से लेकर बहाली घोटाले तक उठे गंभीर सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बेतिया। बिहार राज्य आशा संघ एटक की अहम बैठक रविवार को बेतिया स्थित बलिराम भवन सभागार में साधना देवी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में पश्चिम चंपारण जिले सहित विभिन्न प्रखंडों से पहुंची सैकड़ों आशा कार्यकर्ताओं ने अपनी लंबित मांगों, समस्याओं और कथित अनियमितताओं को लेकर जोरदार विरोध दर्ज कराया। पूरे कार्यक्रम के दौरान आशा कर्मियों ने सरकार और स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए तत्काल सुधार की मांग की। बैठक में मुख्य रूप से आशा कार्यकर्ताओं के बकाया मानदेय भुगतान में लगातार हो रही देरी, भुगतान प्रक्रिया में व्याप्त अनियमितता को समाप्त करने, तथा पूर्व की भांति भुगतान प्रणाली को फिर से अश्विन पोर्टल के माध्यम से लागू करने की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई। आशा कार्यकर्ताओं ने कहा कि समय पर भुगतान न होने से उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति लगातार खराब हो रही है, बावजूद इसके विभागीय स्तर पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है। इसके साथ ही सेवानिवृत्ति की उम्र सीमा 60 वर्ष से बढ़ाकर 65 वर्ष किए जाने की भी पुरजोर मांग रखी गई। आशा कर्मियों का कहना था कि वे वर्षों से ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ की तरह काम कर रही हैं, ऐसे में अनुभव और सेवाओं को देखते हुए उन्हें सम्मानजनक सेवा अवधि मिलनी चाहिए। बैठक में आशा बहाली प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताओं का मुद्दा भी जोर-शोर से उठा। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि जिले के कई क्षेत्रों में पहले से आंगनबाड़ी केंद्रों पर कार्यरत लोगों के बावजूद नए स्तर पर आशा बहाली के नाम पर लाखों रुपये तक की अवैध वसूली की शिकायतें सामने आ रही हैं। इस संबंध में कई बार जिला पदाधिकारी को लिखित शिकायत दी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से आक्रोश और बढ़ गया है। आशा कार्यकर्ताओं ने यह भी चेतावनी दी कि यदि इस प्रकार की अनियमितताओं पर रोक नहीं लगी तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि आशा कार्यकर्ता अपनी मांगों को लेकर 26 मई को पटना में बिहार विधानसभा का घेराव करेंगी। इसके लिए पश्चिम चंपारण से हजारों आशा कार्यकर्ता 25 मई को ही पटना के लिए रवाना होंगी और बड़े पैमाने पर आंदोलन में शामिल होंगी। बैठक को संबोधित करते हुए बिहार राज्य आशा संघ एटक के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष ओम प्रकाश क्रांति ने राज्य और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि आज देश में मजदूरों और गरीबों के अधिकारों का हनन किया जा रहा है और पूंजीपतियों के हित में नीतियां बनाई जा रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विरोध करने वाले मजदूर नेताओं को झूठे मुकदमों में फंसाया जा रहा है, घरों में नजरबंद किया जा रहा है और जेल भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस तरह की नीतियां लोकतंत्र के खिलाफ हैं और मजदूरों को अब अपने अधिकारों की रक्षा के लिए संगठित होकर निर्णायक संघर्ष करना होगा। उन्होंने आशा कार्यकर्ताओं की मांगों का समर्थन करते हुए संविदा और आउटसोर्सिंग कर्मियों के मुद्दों को भी प्रमुखता से उठाया और सभी कर्मचारियों से एकजुट होकर आंदोलन को मजबूत करने का आह्वान किया। बैठक के दौरान पूरे सभागार में उत्साह और आक्रोश का माहौल देखने को मिला। बड़ी संख्या में उपस्थित आशा कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की। बैठक में रंजना चौहान, मुन्ना देवी, लछ्मीना देवी, सुनीता देवी, नूरजहां खातून, सुमैया खातून, सायरा बेगम, रीता देवी, पूनम, सरोज, निर्मला, नीलम, संजू, सुन्दरम देवी सहित सैकड़ों आशा कार्यकर्ता उपस्थित रहीं और आंदोलन को सफल बनाने का संकल्प लिया।

बाइक में टक्कर मारकर छीन लेते थे मोबाइल

● दिल्ली पुलिस ने गिरोह के 2 सदस्य दबोचे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली में अंबेडकर नगर थाने की टीम ने वाहन व मोबाइल चुराने वाले दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की निशानदेही पर चोरी के चार वाहन और तीन मोबाइल फोन बरामद किए। आरोपियों की पहचान तिगड़ी निवासी शाहिद उर्फ साहिल व दक्षिणपुरी निवासी सुमित के रूप में हुई है। आरोपी जानबूझकर लोगों की बाइक में टक्कर मारते थे। एक विवाद करके ध्यान भटकाता तो दूसरा मौका देखकर उसका मोबाइल झपटकर फरार हो जाता था।

बाइक में टक्कर मारी और मोबाइल छीन लिया

दक्षिणी जिला पुलिस उपायुक्त अनंत मित्तल के मुताबिक, 11 मई को हरियाणा के फरीदाबाद निवासी शिकायतकर्ता मो. अफरोज ने शिकायत दर्ज कराई थी कि देवली मोड़ के पास स्कूटी पर

सवार दो लड़कों ने जानबूझकर उनकी बाइक में टक्कर मारी और उसका मोबाइल फोन छीन लिया। शिकायतकर्ता ने आरोपितों का पीछा किया और अपराध में इस्तेमाल की गई स्कूटी के साथ एक आरोपित को पकड़ने में सफल रहा। पकड़े गए आरोपित ने अपनी पहचान शाहिद उर्फ साहिल के रूप में बताई। वहीं, जांच के दौरान सह-आरोपित सुमित की भी पहचान कर उसे भी पकड़ लिया गया। अंबेडकर नगर थाने में एफआइआर दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार किया गया। जांच में टीम नेन विभिन्न आपराधिक मामलों से जुड़े चार चोरी की बाइक और तीन चोरी के मोबाइल फोन बरामद किए। आरोपित बाइक और स्कूटी चुराते थे। साथ ही पीड़ितों के वाहनों में जानबूझकर टक्कर मारकर उनका ध्यान भटकाते थे। फिर मौके से फरार होने से पहले उनके मोबाइल फोन छीन लेते थे।

प्रयागराज अग्निकांड: मां का आखिरी संघर्ष! चार बच्चों को मौत से छीना, लेकिन खुद आग की लपटों में समा गई

● प्रयागराज के नैनी इलाके में आग लगने के दौरान अर्चना नाम की महिला ने अपने बच्चों और भतीजे की जान बचाई, लेकिन खुद आग की चपेट में आकर जान गंवा दी. महिला की बहादुरी का एक वीडियो अब सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में बच्चों को बचाने की कोशिश में मां की जिंदा जलकर मौत हो गई थी. अब इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। वीडियो में महिला अपने बच्चों और भतीजे को बचाती नजर आ रही

है। हर कोई महिला के हौसले का तारीफ कर रहा है। महिला की मौत की घटना से इलाके में गम का माहौल है. परिजन पर दुख में डूबे हुए हैं। जानकारी के अनुसार, 12 मई की रात करीब 9 बजे नैनी बाजार के चैंपियन गली में स्थित क्रॉकरी कारोबारी के मकान में शार्ट सर्किट से अचानक आग लग गई. इस मकान में तीन भाइयों को परिवार रहता है। कोई कुछ समझ पाता कि इससे पहले ही आग ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया. इस दौरान मकान की निचली मंजिल पर मौजूद लोगों ने तो जैसे-तैसे भागकर अपनी जान बचा ली, लेकिन ऊपरी फ्लोर पर मौजूद महिलाएं और बच्चे फंस गए।

रेस्क्यू में हुई थी देरी

घटना की जानकारी होते ही फायर बिग्रेड और पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई. गली संकरी होने के चलते रेस्क्यू में देरी हो गई. ऊपरी फ्लोर पर फंसे लोगों के लिए नीचे से भागने के रास्ते बंद हो गए थे, इसलिए सभी छत पर चढ़ गए. इस दौरान संजीव केसरवानी नाम के व्यक्ति की भाभी किसी तरह पहली मंजिल से कूद गई, लेकिन संजीव की पत्नी अर्चना अपने तीन बच्चों और भतीजे के फंस गए. आग की लपटें तेजी से छत की ओर बढ़ रही थीं. बच्चे काफी घबरा रहे थे।

मां ने बचाई बच्चों की जान

इस दौरान अर्चना ने बिल्कुल भी हार नहीं मानी. उन्होंने बहादुरी का परिचय देते हुए पहले एक साल के बच्चे चादर में लपेट कर गली के उस पर पड़ोसियों की तरफ फेंका. 12 फीट दूर पड़ोसियों ने बच्चे को कैच कर लिया है. इस दौरान अन्य बच्चे भी छत पर मौजूद थे. अर्चना ने एक सीढ़ी की मदद से अपनी 13 साल और 10 साल की बेटी को पड़ोसी की छत तक सुरक्षित पहुंचा दिया. इसके बाद उसने अपनी भतीजे लव को भी सीढ़ी से ही दूसरी ओर भेजा।

जिंदा जलकर मां की मौत

बच्चों को बचाने के दौरान आग ने अर्चना को बुरी तरह घेर लिया था. वह देखते ही देखते जिंदा जल गई. अब महिला के रेस्क्यू का वीडियो सामने आया है, जिसमें वह अपनी जान की परवाह किए बिना बच्चों को बचाती नजर आ रही है. फायर बिग्रेड की टीम ने बहुत ही मेहनत से आग पर काबू पाया और उसके बाद शव को कब्जे में पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया था।